सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

वर्ष- 17 अंक - 97 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 19 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास-खबर

### उत्तर-मध्य भारत में एक्टिव 3-सिस्टम से छत्तीसगढ़ में बढ़ेगी ठंड

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद अगले तीन दिनों तक तापमान 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है और इसके बाद तापमान बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर और मध्य भारत के ऊपर सक्रिय तीन सिनोप्टिक सिस्टम के कारण मौसम में बदलाव हो रहा है, वहीं पिछले 24 घंटों में रायपुर और दुर्ग संभाग के कुछ इलाकों में शीतलहर दर्ज की गई है। वहीं पिछले 24 घंटे में प्रदेश के तापमान की बात करें तो सबसे अधिक तापमान 32.4 डिग्री जांजगीर और सबसे कम 5.6 डिग्री अंबिकापुर में रिकॉर्ड हुआ।

### छत्तीसगढ़ के थानेदार नंदलाल पैकरा का राजस्थान में हादसा, मौत

**बिलासपुर।** मुंगेली के जरहागांव थाना प्रभारी नंदलाल पैकरा का

राजस्थान में एक सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया। इस घटना की खबर मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। उनके असमय निधन से न केवल पुलिस विभाग बल्कि पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं उनके सहकर्मी और परिचित गहरे सदमे में हैं। इस अपूरणीय क्षति से हर कोई मर्माहत नजर आ रहा है।

### बेमेतरा कोर्ट में पेपरलेस कार्य की होगी शुरुआत

**बेमेतरा।** छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला कोर्ट जल्द ही पेपरलेस होने वाला है।

इस बड़े बदलाव को लेकर कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी बेमेतरा मोहम्मद जहांगीर तिगाला द्वारा सभी कर्मचारी व थाना के सीसीटीएनएस स्टॉफ को ई-समन, ई-चालान के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भविष्य में सभी कोर्ट में पेपरलेस कार्य होना है। इसके तहत बेमेतरा जिला कोर्ट के एचजेएस व एलजेएस से एक-एक कोर्ट का चयन हुआ है। इन दोनों कोर्ट में पूर्णत: पेपरलेस कार्य होगा। थानों से ई-चालान ही लिया जाएगा।

### गडकरी बोले- पुराने लोगों को रिटायर होना चाहिए

**नागपुर।** केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पुराने जनरेशन के लोगों

को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। उन्हें नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए और उनका मार्गदर्शन करना चाहिए। गडकरी रविवार को नागपुर में एसोसिएशन फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट इवेंट के दौरान 'एडवांटेज विदर्भ खासदार औद्योगिक महोत्सव' को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बातें कहीं।

# रायपुर एम्स में फरवरी से मिलेगी आईवीएफ की सुविधा, 5 गुना सस्ता होगा इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में बांझपन से जूझ रहे दंपतियों के लिए राहत भरी खबर है। राजधानी रायपुर स्थित एम्स में फरवरी के अंत तक आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) सेंटर की शुरुआत होने जा रही है।

यह सुविधा दिल्ली एम्स के बाद देश की दूसरी और छत्तीसगढ़ की पहली सरकारी आईवीएफ सेवा होगी। आईवीएफ सेंटर शुरू होने से राज्य के लोगों को अब महंगे निजी अस्पतालों में इलाज कराने की मजबूरी नहीं रहेगी। सरकारी स्तर पर यह सुविधा उपलब्ध होने से आम और मध्यम वर्ग

## दिल्ली के बाद दूसरा एम्स जहां खुलेगा सेंटर, 2 से 5 गुना सस्ता होगा इलाज

के लोगों तक इलाज की पहुंच बढ़ेगी। एम्स रायपुर में एक आईवीएफ प्रक्रिया का अनुमानित खर्च 60 से 80 हजार रुपए होगा। निजी अस्पतालों में यही इलाज 1 लाख से 3 लाख रुपए तक का पड़ता है।

### मिलेगी आर्थिक राहत

एम्स के पीआरओ डॉ. मृत्युंजय सिंह ने बताया कि, आईवीएफ सेंटर शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है। सरकारी आईवीएफ सेंटर आर्थिक रूप से बड़ी राहत साबित होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली एम्स की तर्ज पर आधुनिक तकनीकों को अपनाया जाएगा। इसके लिए देश और विदेश के प्रमुख आईवीएफ सेंटरों से भी सहयोग लिया जा रहा है।

# शिक्षा में डिजिटल सुशासन की राष्ट्रीय मिसाल बना छत्तीसगढ़, आईबीआईटीएफ ने सराहा

## आईबीआईटीएफ ने छत्तीसगढ़ का विद्या समीक्षा केंद्र को बताया शिक्षा प्रशासन में तकनीक-आधारित उत्कृष्ट मॉडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ ने शिक्षा प्रशासन में प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से सुशासन का एक सशक्त और अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है। आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन ने राज्य के विद्या समीक्षा केंद्र को शिक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी-संचालित सुशासन को सराहनीय पहल के रूप में रेखांकित किया है।

आईबीआईटीएफ के अनुसार यह मॉडल पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित प्रशासन की दिशा में छत्तीसगढ़ की ठोस उपलब्धि को दर्शाता है। विद्या समीक्षा केंद्र छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा क्रियान्वित एक अभिनव डिजिटल पहल है। यह केंद्र शिक्षा व्यवस्था में डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया को संस्थागत स्वरूप प्रदान करता है और यह स्पष्ट करता है कि छत्तीसगढ़ सरकार डिजिटल नवाचार के माध्यम से शासन सुधार को प्राथमिकता दे रही है।

### एआई- एनालिटिक्स से मिल रही मदद

विद्या समीक्षा केंद्र में प्रयुक्त एआई-आधारित एनालिटिक्स और प्रेडिक्टिव मॉडल संभावित ड्रॉपआउट, अधिगम अंतराल की समय रहते पहचान में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और समान अवसरों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है।

### शिक्षा प्रशासन अधिक प्रो-एक्टिव और पारदर्शी

आईबीआईटीएफ ने यह भी उल्लेख किया कि विद्या समीक्षा केंद्र डेटा-आधारित शासन संस्कृति को स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। इसके माध्यम से शिक्षा प्रशासन अधिक प्रो-एक्टिव, पारदर्शी और परिणाम-केंद्रित स्वरूप में विकसित हुआ है। एनएम-आईसीपीएस मिशन के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा स्थापित प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र के रूप में, आईबीआईटीएफ ने विद्या समीक्षा केंद्र को डेटा-आधारित शिक्षा सुधार और प्रौद्योगिकी-सक्षम सुशासन के लिए एक राष्ट्रीय मानक के रूप में सराहा है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ को स्केलेबल, प्रभावशाली और नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करती है।

### छत्तीसगढ़ में 48,500 से अधिक शासकीय विद्यालय

छत्तीसगढ़ भारत की सबसे बड़ी सार्वजनिक शिक्षा प्रणालियों में से एक का संचालन करता है। जिसमें 48,500 से अधिक शासकीय विद्यालय, 39 लाख से अधिक विद्यार्थी तथा लगभग 1.8 लाख शिक्षक एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी सम्मिलित हैं। इतने व्यापक तंत्र के प्रबंधन में पहले बिखरे हुए डेटा, सीमित रियल-टाइम निगरानी और निर्णयों में विलंब जैसी चुनौतियां सामने आती थीं, जो प्रणाली की समग्र दक्षता को प्रभावित करती थीं। विद्या समीक्षा केंद्र के अंतर्गत DISE, HRMIS, पीएम पोषण, PGI, APAAR ID, आधार तथा जीआईएस मैपिंग जैसे महत्वपूर्ण डेटाबेस का एकीकृत उपयोग किया जा रहा है।

## खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स

# शुभंकर मोरवीर के साथ भिलाई पहुंची मशाल रैली, हुआ स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** भारतीय खेल प्राधिकरण भारत सरकार द्वारा खेलो इंडिया प्रथम राष्ट्रीय ट्राइबल गेम्स के आयोजन की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को दी गई है। आयोजन पूर्व प्रतियोगिता को सफल बनाने खेल एवं युवा कल्याण छत्तीसगढ़ द्वारा शुभंकर मोरवीर के साथ आयोजित मशाल रैली सोमवार की सुबह 9 बजे मां शारदा पब्लिक स्कूल सेक्टर9 भिलाई दुर्ग पहुंची।

साइकलिंग एसोसिएशन आफ छत्तीसगढ़ के महासचिव विनायक राव चन्नावार ने बताया कि छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ बीएसपी साइक्लिंग क्लब एवं बीएसपी साइकिलपोलो क्लब के खिलाड़ियों तथा मां शारदा स्कूल के विद्यार्थियों ने शुभंकर मोरवीर का ढोल बाजों के साथ अभूतपूर्व स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मां शारदा पब्लिक स्कूल के पवन कुमार शर्मा, खेल एवं युवा कल्याण विभाग से श्रीमती पठानीया, सचिव मां शारदा पब्लिक स्कूल शोभा शर्मा, ओए अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर, अध्यक्ष बीएसपी साइक्लिंग क्लब, अध्यक्ष बीएसपी साइकिल पोलो क्लब परविंदर सिंह , सचिव दुर्ग जिला सायकल पोलो संघ शशांक देशमुख, शशिकांत पांडे सदस्य दुर्ग जिला सायकल पोलो संघ ने उपस्थित होकर अगुवाई कर रैली को सफल बनाया।

# नितिन नबीन का भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय, कल होगी घोषणा

**नई दिल्ली।** भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय है। आज वे पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए दोपहर 2 से 4 बजे के बीच दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में नामांकन दाखिल करेंगे। इसके बाद 4 बजे से 5 बजे तक इन नामांकन पत्रों की जांच होगी। शाम 5 बजे से 6 बजे तक नाम वापस लेने का समय होगा। अगर केवल एक नामांकन सही पाया गया, तो चुनाव अधिकारी निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर देंगे। अगर दो फॉर्म आए तो 20 तारीख को वोटिंग होगी। इस दौरान पार्टी के लगभग सभी मुख्यमंत्री, राज्य इकाई प्रमुख और वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। भाजपा ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिक्रेशन जारी किया था। नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

### अमेरिका पर ईयू लगाएगा 9767 करोड़ का टैरिफ

**वर्ल्ड डेस्क।** यूरोपीय यूनियन अमेरिका के खिलाफ करीब 93 अरब यूरो बतौर टैरिफ लगाने के बारे में सोच रहा है. इसके साथ ही अमेरिकी कंपनियों को यूरोपीय बाजार में काम करने से रोकने या लिमिटेड करने की भी प्लानिंग कर रहा है। दरअसल एक इमरजेंसी बैठक बुलाई गई थी, जिसमें इसी बात को लेकर चर्चा हुई है। ये सब अमेरिका और यूरोप के बीच ग्रीनलैंड को लेकर बढ़ते विवाद के बाद सामने आया है।

# इंस्टा चैट से बिगड़ा रिश्ता: विवाद के बाद पत्नी ने पिया जहर

### ■ कोरबा के जिला अस्पताल चौकी का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** इंस्टाग्राम पर दोस्ती के चलते वैवाहिक जीवन में आई दरार के बाद एक महिला ने जहर पीकर जान देने की कोशिश की, जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल चौकी क्षेत्र में 24 वर्षीय चमेली विश्वास ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहर का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में उसे जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह जिंदगी और मौत से जूझ रही है। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि चमेली और सुमित विश्वास ने पांच साल पहले प्रेम विवाह किया था और उनके दो बच्चे भी हैं। उनका वैवाहिक जीवन सामान्य चल रहा था, लेकिन हाल ही में चमेली की इंस्टाग्राम पर किसी अन्य युवक से दोस्ती हो गई।

इस बात की भनक जब पति सुमित को लगी तो दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। कुछ समय के लिए चमेली मायके चली गई थी, लेकिन सुलह के बाद वह वापस लौट आई। इसके बावजूद, महिला युवक से बात करती रही। पति ने शक के आधार पर उसका मोबाइल हैक कर लिया और उनकी बातचीत का पता चलने पर फिर से विवाद गहरा गया। इसी बीच, महिला ने जहर पी लिया। पुलिस ने पति और परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### चांदी तीन लाख रुपये प्रति किलो के पार, सोना के दाम भी पहुंचे रिकॉर्ड ऊंचाई पर

**नईदिल्ली।** सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट को लेकर लगाए जा रहे तमाम अनुमान गलत साबित होते नजर आ रहे हैं। दोनों कीमती धातुएं लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को चांदी ने बाजार खुलते ही जबरदस्त उछाल दिखाया और एक किलो चांदी की कीमत इतिहास में पहली बार तीन लाख रुपये के पार पहुंच गई।

एमसीएक्स पर चांदी का मार्च वायदा 13,550 यानी 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 3,01,315 प्रति किलो के अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं सोना भी पीछे नहीं रहा और तेज बढ़त के साथ नए शिखर पर जा पहुंचा।

बाजार जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर टैरिफ धमकी से वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा है। इसी अनिश्चितता के माहौल में निवेशक सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा सोने और चांदी की कीमतों को मिल रहा है।

# बीजापुर में दो और नक्सली ढेर, आईईडी ब्लास्ट में ग्रामीण की मौत

### ■ सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता : दो दिन में 6 नक्सलियों को मार गिराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने रविवार को दो और नक्सलियों को ढेर कर दिया। इससे पहले शनिवार को एनकाउंटर में चार नक्सिलयों को मार गराया था। इस प्रकार दो दिन में कुल 6 नक्सली मुठभेड़ में मारे गए। मौके से सुरक्षाबलों को हथियार भी मिले हैं। वहीं एक अन्य घटन में आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत हो गई।

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) जितेंद्र यादव ने बताया कि क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया था। नक्सलियों के साथ मुठभेड़ की ताजा घटना जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के जंगलों में सुबह हुई, जहां सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम नक्सल-रोधी अभियान चला रही है। रविवार को मारे गए दोनों नक्सलियों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है। एसटीएफ और जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और सीआरपीएफ की विशिष्ट इकाई कोबरा के जवान इस अभियान में शामिल हैं।

### आईईडी की चपेट में आया ग्रामीण, विस्फोट में मौत

बीजापुर के उसूर थाना क्षेत्र के ग्राम कस्तुरीपाड़ में माओवादियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से ग्रामीण की मौत हो गई। ग्राम कस्तुरीपाड़ निवासी आयता कुहरामी 20 वर्ष पिता बुधरा कुहरामी रविवार को जंगल क्षेत्र की ओर गया हुआ था। इसी दौरान वह माओवादियों द्वारा पूर्व से लगाए गए प्रेशर आईईडी विस्फोट हो गया। विस्फोट में युवक के दोनों पैरों को गंभीर क्षति पहुंची। घायल अवस्था में ग्रामीण को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और क्षेत्र में सघन सर्च अभियान चलाया गया। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि जंगल एवं दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन के दौरान विशेष सतर्कता बरतें। किसी भी संदिग्ध वस्तु, गतिविधि या सामग्री की जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिस थाना अथवा सुरक्षा कैंप को दें।

## मौनी अमावस्या महास्नान में महाराज की किरकिरी

रविवार को मौनी अमावस्या थी। हिन्दुओं, अब सनातनियों, की मान्यता है कि मौनी अमावस्या में गंगा स्नान का विशेष फल मिलता है। पुण्य का तो पता नहीं पर जब श्रद्धालु भीड़ बन जाएं तो अव्यवस्था जरूर पैदा हो जाती है। मान्यता है कि मौनी अमावस्या के दिन ही कलियुग का आगमन हुआ था। कलियुग का प्रवेश सुबह हुआ था। कलियुग के प्रभाव से बचने के लिए ही मौन रहकर स्नान, दान और ध्यान करने की परंपरा चली आ रही है। प्रयागराज माघ मेला का तीसरा और सबसे प्रमुख मौनी अमावस्या का महास्नान रविवार को था। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अपनी पालकी (रथ) पर सवार होकर स्नान के लिए पहुंचे। भीड़ से परेशान पुलिस प्रशासन ने उन्हें पालकी से उतरकर पैदल स्नान घाट तक जाने का आग्रह किया। शंकराचार्य के चेलों ने हठ पकड़ लिया। इसके बाद तीखी नोंकझोंक हुई। बात हाथापाई तक पहुंची तो पुलिस भी अपनी पर आ गई। धार्मिक आडम्बरों में सबसे ज्यादा अगर कोई पिसता है तो वह पुलिस और व्यवस्था बनाने वाले ही होते हैं। कई-कई दिन की अनिद्रा और अल्पनिद्रा उन्हें बेढाल कर चुकी होती है। वे शांत रहने की कोशिश तो करते हैं पर जब कोई बेकार की जिद पकड़े तो पारा चढ़ ही जाती है। पुलिस ने शंकराचार्य के कुछ चेलों को पकड़ लिया और उनकी ठुकाई कर दी। साथ ही रथ को भी खींचकर मेला स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर फेंक दिया। अब शंकराचार्य धरने पर हैं। वे चाहते हैं कि प्रशासन उनसे माफी मांगे और उन्हें ससम्मान पूरे प्रोटोकॉल के साथ स्नान कराने के लिए लेकर जाए। एक तरह से वे बैकफुट पर जा चुके हैं। मौनी अमावस्या का स्नान तो उनका छूट ही चुका है। अब वे अकेले नहाते हैं, रथ पर सवार होकर जाते हैं या नहीं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। वैसे भी मौनी अमावस्या के महास्नान के बाद भीड़ छंटने लगती है। शंकराचार्यों को भी समझना होगा कि हिन्दुओं के प्रमुख होने का अपना अधिकार वो बहुत पहले खो चुके हैं। केवलआडम्बर शेष रह गया है। शासन इसे जानता भी है और समझता भी है। इसलिए अब अपनी नाक अपने हाथ।

### खेल-खेल में बच्ची ने पी ली कीटनाशक दवा

**कोरबा।** सिविल लाइन थाना अंतर्गत गोकुलनगर में एक दो वर्षीय बच्ची कनैया शर्मा ने खेलते-खेलते जानवरों के घाव पर लगने वाली कीड़े मारने की दवा पी ली। पिता कनैया शर्मा काम पर थे, तभी घर से फोन आया कि बच्ची ने दवा उठा ली है। वे तुरंत बच्ची को लेकर जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार शुरू किया। डॉक्टरों की जांच में पता चला कि बच्ची ने दवा का सेवन नहीं किया, बल्कि यह उसके शरीर पर लगी थी, जिससे कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ। बच्ची की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। घटना तब हुई जब बच्ची घर में खेल रही थी और उसके परिजन अन्य कामों में व्यस्त थे। पिता ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे बच्चों को कभी अकेला न छोड़ें और उनकी निगरानी में रखें ताकि ऐसी दुर्घटनाएं टाली जा सकें।

## संपादकीय

# बेरोजगारी का दंश

### रोजगार सृजन से संभव विकसित भारत का संकल्प

केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है, जिसमें गत दिसंबर में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.8 फीसदी होने की बात कही गई है। भारत दुनिया में युवाओं के देश के रूप में जाना जाता है। लेकिन हम इस युवा शक्ति का भरपूर उपयोग राष्ट्र विकास में नहीं कर पा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि देश के शहरी क्षेत्र में पंद्रह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के युवाओं में बेरोजगारी की दर गांवों के मुकाबले ज्यादा है। जहां शहरों में यह प्रतिशत बढ़कर 6.7 फीसदी हुआ है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र में यह 3.9 फीसदी स्थिर है। हाल ही के वर्षों में बेरोजगारी देश में बड़ा मुद्दा रहा है, जो भारत जैसे विकासशील देश के हित में नहीं है। किसी भी अर्थव्यवस्था में विकास दर तभी सार्थक होगी, जब रोजगार के नये मौके उपलब्ध हो रहे हों। नीति-नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार के नये अवसर क्यों नहीं बन रहे हैं। सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले। यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। कहा जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में एआई और डिजिटलीकरण के चलते भी नौकरियां घटी हैं। तो क्या हम इस चुनौती के लिये अपने युवाओं को तैयार कर रहे हैं?

> नीति-नियंताओं को आत्ममंथन करना होगा कि दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार के नये अवसर क्यों नहीं बन रहे हैं। सरकारें सुनिश्चित करें कि युवाओं को देश की तरक्की में योगदान देने का अवसर मिले। यदि बेरोजगारी की दर बढ़ रही है तो इसके मायने हैं कि संगठित और असंगठित क्षेत्र में नौकरी के मौके बढ़ नहीं रहे हैं। कहा जा रहा है कि औद्योगिक क्षेत्रों में एआई और डिजिटलीकरण के चलते भी नौकरियां घटी हैं। तो क्या हम इस चुनौती के लिये अपने युवाओं को तैयार कर रहे हैं?

निश्चित रूप से देश के नीति-नियंताओं को मंथन करना चाहिए कि 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसे अभियानों के जमीनी परिणाम उत्साहवर्धक क्यों नहीं हैं? युवाओं की कौशल विकास कार्यक्रमों में भागीदारी के बावजूद रोजगार के मौके क्यों नहीं बढ़ रहे हैं? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था समय के साथ कदमताल नहीं कर पा रही है? विडंबना यह भी है कि बढ़ती आबादी के बावजूद सरकारी क्षेत्र की नौकरियां कम हो रही हैं। युवाओं की शिकायत होती है कि सरकारी नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया में तमाम तरह की विसंगतियां व्याप्त हैं। वे परीक्षा प्रणाली पर भी सवाल उठाते रहे हैं। निस्संदेह, बढ़ती बेरोजगारी हमारे विकास के मापदंडों पर भी सवाल खड़ी करती है। निश्चित रूप से संतुलित आर्थिक विकास की सार्थकता के लिए जरूरी है कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़े तथा आर्थिक असमानता भी दूर हो। तेज विकास दर के साथ लोगों के जीवन में खुशहाली भी आनी चाहिए। रोजगार के अवसर बढ़ने से ही समाज में खुशहाली आ सकती है। जब देश में रोजगार के मौके बढ़ेंगे तो समाज में वास्तविक समृद्धि आ सकती है। रोजगार के अवसर बढ़ने से उत्पादकता बढ़ेगी और महंगाई पर नियंत्रण पाने में भी मदद मिलेगी। निस्संदेह, बढ़ती क्रय शक्ति भी अर्थव्यवस्था को गति देती है। निर्विवाद रूप से बेरोजगारी कम किए बिना हम देश के सौ साल पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य मुश्किल से हासिल कर पाएंगे। हमें एआई व डिजिटल चुनौती के मुकाबले के लिए युवाओं का कौशल विकास तेज करना चाहिए।

दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय, 'युगे-युगीन भारत' की पहली गैलरी साल के आखिर तक खुल जाएगी। इसी कड़ी में दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय व अयोध्या में भारतीय मंदिर वास्तुकला संग्रहालय का निर्माण भी हो रहा है, जो सांस्कृतिक तौर पर महत्वाकांक्षी परियोजनाएं हैं। जरूरी है कि सरकारें देश में ऐसी सभी गौरवपूर्ण सांस्कृतिक धरोहरों पर एक समान ध्यान दें।

# मोदी सरकार की सांस्कृतिक महत्वाकांक्षा के निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा

भारत भले ही अपने सबसे महत्वपूर्ण विदेशी भागीदार, अमेरिका के साथ राजनीतिक द्वंद्व में उलझा हो, जबकि अर्थव्यवस्था, जैसा कि जाने-माने वित्तीय पत्रकार टीएन नाइनन ने पिछले हफ्ते की शुरुआत में इन कॉलम में बताया था - 'मिलनसार होने की बजाय शर्मीली ज्यादा' है - लेकिन सांस्कृतिक ऊंचाइयों को भव्य पैमाने पर पेश करने की सरकार की 'कभी हार न मानने वाली' महत्वाकांक्षा जस-की-तस है। दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय, 'युगे-युगीन भारत' की पहली गैलरी साल के आखिर तक खुल जाएगी।

इसका पैमाना निश्चित रूप से बहुत विशाल है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज तक के भारत की गाथा बताने वाली 1,00,000 कलाकृतियों को नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक की 30 दीर्घाओं में प्रदर्शित जाएगा, लुटियंस दिल्ली में ब्रिटिश राज की ये इमारतें नौकरशाही के आला अधिकारियों का पिछले सौ सालों से कार्यस्थल रहा है। संग्रहालय में बारे में कुछ ऐसा है जो मोदी सरकार को खासतौर पर भाता है। शायद, बहुजन समाज पार्टी की दलित नेता मायावती की तरह — जिनके खुद के और उनके गुरु कांशी राम और बाबा साहेब अंबेडकर के स्मारक लखनऊ और दिल्ली के बाहरी इलाकों में जगह-जगह बने हैं-मोदी को ज्ञात होगा कि आप उनसे नफरत करें या प्यार, लेकिन स्मारकों को समय की परीक्षा झेलनी पड़ती है। (यही वजह है कि 1991 के आखिर में जब यह स्पष्ट हो गया कि सोवियत संघ बिखरेगा, तो प्रति-क्रांतिकारियों ने सबसे पहले लेनिन और मार्क्स की मूर्तियों पर ही हमला बोला था।) और इसीलिए, जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, पिछले 11 सालों में नई दिल्ली का स्वरूप धीरे-धीरे फिर से बदलकर नया रूप दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री संग्रहालय, जहां मोदी समेत हर विगत प्रधानमंत्री के लिए एक गैलरी होगी- जिसका ज़िक्र दिल्ली आने वाली शताब्दी ट्रेनों के पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर होता है -से लेकर युगे-युगीन भारत तक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भाजपा का भारत के हृदय में एक खास यादगार बनाने की महत्वाकांक्षा का प्रदर्शन बेमिसाल है। प्रभावशाली तथ्य यह कि भाजपा के लिए कुछ भी छोटा नहीं। दिसंबर के आखिरी हफ़्ते में जालंधर में हुए हरिवल्लभ संगीत समारोह में, जिसने अपनी 150वीं सालगिरह मनाई है, संस्कृति मंत्री गजेंद्र शेखावत नहीं आ पाए - इसलिए उन्होंने एक वीडियो संदेश भेजा जिसमें कहा कि सरकार को देश के सबसे पुराने संगीत

समारोह के लिए एक ऑडिटोरियम बनाने में खुशी होगी। तालियों के बीच जो अनकहा संदेश संलग्न था, वह यह कि बीजेपी पंजाब की लुप्त हो रही विरासत को पुनर्स्थापित करने में मदद हेतु कुछ भी करेगी और अगर पंजाब के लोग उसे वोट देकर यह एहसान चुकाते हैं, तो इससे ज़रूर मदद मिलेगी।

इसीलिए दिल्ली में प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में उद्घाटन की गई पिपरहवा बुद्ध अवशेषों की प्रदर्शनी में रखी वस्तुओं के विवरण पर बहुत कम ध्यान दिया देखकर हैरानी हुई। जो लोग इसकी पृष्ठभूमि नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि औपनिवेशिक ब्रिटिश हुकूमत के एक इंजीनियर विलियम क्लैक्सटन पेप्पे ने 1898 में बर्डपुर एस्टेट के तहत आते पिपरहवा नामक गांव में कुछ रत्न, गौतम बुद्ध के अस्थि अवशेष और राख वाले पांच छोटे कलश खोज निकाले थे, नेपाल सीमा के दक्षिण में कई एस्टेट्स का प्रबंधन उनके जिम्मे था। साल 2025 में, जब पेप्पे के वंशजों ने हांगकॉन्ग में अपने पास रखे बुद्ध अवशेषों की नीलामी करने का फैसला किया, उससे देशभर में खलबली मची, तत्पश्चात केंद्र सरकार ने गोदरेज इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर रत्नों व अवशेषों को खरीदने और वापस मातृभूमि लाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था : 'यह हर भारतीय को गौरवान्वित महसूस कराएगा कि भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेष 127 साल लंबे अरसे बाद घर (भारत) वापस आ गए हैं'।

निश्चित ही, भारत को एक प्राचीन सभ्यता, सिंधु घाटी, और एक प्राचीन विचारधारा,बौद्ध धर्म के सही उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षा देखना प्रभावशाली है। वहां पर वही थे, आपके सामने एक बुलेटप्रूफ केस में, शानदार रत्न। उन्हें निहारते हुए आप 'चांदी और सोने में उकेरे तारे, तश्तरियों में सोने की पत्तियों में उभरे बौद्ध प्रतीक और नाना आकार के मोती, मनके, लाल या सफेद कार्नेलियन, एमेथिस्ट, पुखराज, गार्नेट, मूंगा और क्रिस्टल पर तराशकर बनाए तारे और फूल' यह सारी जानकारी 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट पिपराहवा डॉट कॉम' से लेनी पड़ी क्योंकि प्रदर्शनी में यह सब जानकारी उपलब्ध नहीं, न तो वहां मौजूद युवा किंतु खुद अनभिज्ञ स्वयंसेवक बता पाए और न ही प्रदर्शनी की आयोजक डिज़ाइन फैक्ट्री इंडिया (डीएफआई) नामक कंपनी दे पाई। गौरतलब है कि उक्त कपंनी अपनी मशहूरी इस दावे के आधार पर करती है कि उसने वड़नगर में नगर का 'बुद्ध से नाता' थीम पर एक संग्रहालय बनाया है, और भुज में 2001 के भूकंप की याद में एक संग्रहालय भी बनाया है। प्रदर्शनी में बुद्ध को जीवंत करती शानदार मूर्तियां भी रखी गईं, जिन्हें कोलकाता के भारतीय संग्रहालय, दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय म्यूज़ियम और देश के अन्य कई संग्रहालयों से लाया गया है। इनमें से कई मूर्तियां कभी खैबर-पख्तूनख्वा के उन हिस्सों से आई थीं, जो अब पाकिस्तान में हैं, सिवाय इसके कि सूचना पट्टी पर 'पाकिस्तान' शब्द को 'अविभाजित भारत' से बदल दिया गया है। कुछ पेंटिंग्स 'रिक्रिएटिड' - जिसका मतलब है वे जिस संग्रहालय में रखी थीं, वहां उनकी हालत इतनी खस्ता हो गई कि उन्हें दूसरी जगह ले जाना संभव नहीं।

अब हज़ार साल पुरानी मूर्तियों को गौर से देखने पर आपको भान होता है कि उन्हें साफ किया गया है दशकों की जमी धूल,गंदगी हटाने के बाद वे इतनी चमक रही थी। डीएफआई आपकी इस परिकल्पना की पुष्टि करती है। उम्मीद करें कि सफाई करने वालों ने यह करने में उच्च गुणवत्ता वाले द्रवों का इस्तेमाल किया होगा जो आगे चलकर पत्थर का क्षरण न करे- यह प्रक्रिया क्या थी, जानकर अच्छा लगेगा। गोदरेज इंडस्ट्रीज और सरकार के बीच इस प्रकार का पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल भविष्य के लिए एक मॉडल है। हालांकि, साफ नहीं कि क्या गोदरेज वालों ने रत्न अवशेष देश को दान कर दिए हैं या सरकार ने उन्हें खरीद लिया है।

ऐसे में जब दिल्ली के बीचोंबीच युगे-युगीन भारत संग्रहालय आकार ले रहा है, जोकि प्रधानमंत्री के नए आवास से कुछ ही दूरी पर है और जिसका निर्माण कार्य पूरा होने जा रहा है, अपनी दृष्टि अयोध्या पर डालें, जहां राम मंदिर से सटा भारतीय मंदिर वास्तुकला पर एक संग्रहालय बनाया जा रहा है। यह निजी भागीदारी वाली परियोजना है, लेकिन सरकार इस पर निगाह रखे है। इसकी शानदार परिकल्पना वास्तुकला कंपनी ज़ाहा हदीद आर्किटेक्टरल कंसर्न की है, हालांकि युगे-युगीन भारत संग्रहालय बनाने का ठेका इस कंपनी ने देबाशीष गुहा के आर्कोप कॉन्सोर्टियम व लॉस एंजिल्स स्थित कुलपत यंत्रसास्त के हाथों गंवाया है,जबकि परियोजना को फंडिंग टाटा की सहायक कंपनी इकोफर्स्ट कर रही है। चलिए अब चंडीगढ़ में अपने घर वापसी करते हैं और इसलिए सेक्टर 10 में सरकारी म्यूज़ियम का एक और दौरा अनिवार्य हो गया, जहां पर बुद्ध की गांधार प्रतिमाएं भी प्रदर्शित हैं - जिन्हें भारत आज़ाद होने पर लाहौर संग्रहालय के साथ आधा-आधा बांटा गया - सिर्फ यह देखने को कि क्या बदलाव की बयार देश के इस हिस्से तक पहुंची है या नहीं।

आप अब भी वहां रखे रजिस्टर में अपना नाम लिखते हैं, ठीक वैसे ही जैसे सचिवालय में किसी नौकरशाह से मिलने जाने पर मानो प्रवेश के लिए संग्रहालय का टिकट काफी न हो। संग्रहालय अभी भी सुनसान है। मिनिएचर गैलरी में रखी कुछ चीज़ों को हटा दिया गया है क्योंकि छत की मरम्मत हो रही है, लेकिन वह काम रुका हुआ है क्योंकि ऐसा लगता है कि फंड खत्म हो गया।

जैसा कि ला-कॉर्बुज़िए ने कभी कहा होगा... 'जितना ज़्यादा कुछ चीज़ें बदलती हैं, उतनी ही कुछ दूसरी चीज़ें जस की तस रहती हैं।'

**लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।**

# कभी सोचा है कि रिटायरमेंट के बाद कैसे दिखेंगे, आपकी अहमियत क्या होगी?

एन. रघुरामन

मैंने कल उन्हें फोन किया था। फोन नहीं उठा। तभी मुझे याद आया कि रविवार के दिन उनसे बात करना आसान नहीं होता। मैं हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के प्रोफेशनल केवी साइमन को जानता हूं, जो 35 साल से ज्यादा समय तक भारत में अमेरिकन होटल-मोटल एसोसिएशन और कई अमेरिकन हॉस्पिटैलिटी एजुकेटर्स के प्रतिनिधि रहे हैं।

वे अमेरिका की यात्रा तो ऐसे करते, जैसे हम कामकाज के लिए उपनगरीय ट्रेन सेवा से शहर आते-जाते हैं। इतने सालों में मैंने कभी उन्हें रविवार को चैन से बैठे नहीं देखा, जबकि वह मुंबई में वर्सोवा बीच से पैदल दूरी पर रहते हैं। चाहें तो बालकनी में टहल सकते हैं। दोपहर का आनंद ले सकते हैं। पर मुझे पता है कि वे सिर्फ शाम को लौटेंगे और तब सारे मिस्ड कॉल्स का जवाब देंगे। आमतौर पर रविवार को वह चर्च में होते हैं और जो भी हो सके, करते

हैं। आज भले वह रिटायर हो चुके, लेकिन अपने समुदाय में सबसे व्यस्त लोगों में से एक हैं।

इसके विपरीत, मैं एक और व्यक्ति को जानता हूं- जिन्होंने ऑफिस जाने के अलावा और कुछ नहीं किया। वह ठीक शाम 5.30 बजे काम से लौटते और फिर किसी से नहीं मिलते थे। इसलिए नहीं कि उन्हें मिलना-जुलना पसंद नहीं था, बल्कि वह रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा बीमारी से जूझ रहे थे। ये आंखों से जुड़ी आनुवंशिक बीमारी है, जिसमें आंखों की रोशनी धीरे-धीरे खत्म होती है। इसे नाइट ब्लाइंडनेस भी कहते हैं, जो सामान्यत: रेटिना में लाइट सेंसिंग सेल्स (फोटोरिसेप्टर्स) के खराब होने से होती है। वह साइमन से ऊंचे पद पर थे। दोनों साथ ही रिटायर हुए, लेकिन दूसरे वाले की मृत्यु समय से पहले ही हो गई।

इस रविवार इन दोनों की याद मुझे तब आई, जब मैं जेनिफर ब्रेहेनी की किताब 'मैटरिंग: द सीक्रेट टु ए लाइफ ऑफ डीप कनेक्शन एंड पर्पज' का सिनॉप्सिस पढ़ रहा था-जो 27 जनवरी को रिलीज होनी है। जेनिफर ने इसमें रिटायर लोगों के जीवन में खत्म हो रही बेहद बुनियादी चीज के बारे बड़ी खूबसूरती से बताया है। वह है 'मैटरिंग' (Mattering)- एक गहरा मानवीय अहसास कि आप मायने रखते हैं और आपके पास दुनिया में मूल्य जोड़ने का मौका है। और वह कितनी सही भी हैं।

हम सभी वित्तीय सुरक्षा के लिए वैल्थ स्पैन, शारीरिक सुरक्षा के लिए हैल्थ स्पैन की प्लानिंग तो करते हैं- लेकिन हममें से बहुत कम लोग ही रिटायरमेंट के उतने ही जरूरी अन्य पहलू की तैयारी करते होंगे। और वह यह कि रिटायरमेंट के बाद हम कैसे देखे जाएंगे, कैसे समाज के लिए उपयोगी महसूस करेंगे और कैसे बदलाव लाने में सक्षम रह पाएंगे। जेनिफर के मुताबिक, मैटरिंग का मतलब यह भाव है कि दूसरे हमें महत्व देते हैं और हमारे पास दुनिया को देने के लिए कुछ मूल्य हैं। 1980 में अकादमिक तौर पर यह विषय पेश किए जाने के बाद कई रिसर्चर्स को लगता है कि वैल-बीइंग के आधारों में यह भाव आज स्पष्ट तौर पर गायब है।

तीन हजार रिटायर्ड लोगों के डेटा के आधार पर जर्नल हेल्थकेयर में 2020 में प्रकाशित मेटा एनालिसिस में पाया गया कि एक-तिहाई लोगों ने डिप्रेशन के लक्षण महसूस किए। ये रिटायरमेंट से जुड़ी मनोवैज्ञानिक कमजोरियों के कारण है। जैसे मेरा महत्व या जरूरत कम हो गई या जुड़ाव नहीं रहा। ये सभी पोस्ट रिटायरमेंट डिप्रेशन के संकेत हैं।

साइमन के पास दोस्त हैं, जो आज भी मिलने आते हैं। जबकि दूसरा व्यक्ति अपनी शारीरिक अक्षमता और दोस्तों की कमी के कारण शायद बेहद अकेला महसूस करता होगा। रिटायरमेंट, जीवनसाथी का चले जाना, तलाक या बच्चों का घर से चले जाना जैसे कई बदलाव हमारे सामाजिक सहारे छीन लेते हैं। ऐसा हो तो रोजमर्रा के मेलजोल कई गुना बढ़ाइए। हर इनवाइट को स्वीकार कीजिए। और वहां जाकर साथियों को, भावी पीढ़ी को या जरूरतमंदों को जितना हो सके, उतना दीजिए- ताकि वो आपको बार-बार याद करें।

फंडा यह है कि यह सोचने के बजाय कि आप कितने साल जिएंगे, सोचिए कि जब तक जिंदा हैं दुनिया के लिए कैसे अपना महत्व बनाए रखेंगे। फिर देखिए कि दूसरों के लिए जरूरी होने का अहसास अपने चारों ओर कितनी खुशी लेकर आता है।

# लोकतंत्र में कानून ही लोक की अंतिम उम्मीद

सुरेश सेठ

वर्ष के अंत में न्यायपालिका द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार और अरावली में खनन आवंटन पर पर्यावरण को सर्वोपरि मानकर विचार करने से जनता आश्वस्त हुई है कि भारतीय लोकतंत्र में अन्याय के प्रतिकार के मार्ग सदैव खुले रहते हैं।

भारत की न्यायपालिका की परंपरा अत्यंत गरिमापूर्ण रही है। लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए उसने हाल के दिनों में भी वैसा ही आचरण किया है, जैसा एक स्वतंत्र न्यायपालिका से अपेक्षित होता है। किसी अधिनायकवादी देश में यह कल्पना भी कठिन है कि सर्वोच्च न्यायालय अपने ही निर्णय पर पुनर्विचार करे या निचली अदालत के आदेश को गलत मानकर उसमें संशोधन करे। भारत में यह संभव हुआ है, जो लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाता है। यहां देर-सबेर जनता की आवाज सुनी जाती है। सरकारी फैसले, जो लोगों को पीड़ित, क्रुद्ध या उन्हें आक्रोशित करते हैं, तो सरकार भी जनभावनाओं के अनुरूप अपने निर्णय बदलती है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सच्ची पहचान और सामूहिक प्रगति का मार्ग है।

हम यहां किसान आंदोलन की चर्चा नहीं करेंगे, जिसके बारे में सरकार ने उनके लंबे धरनों के बाद किए गए फैसले वापस ले लिए। हम पंजाब यूनिवर्सिटी की बात भी नहीं करेंगे, जिसके संबंध में केंद्र ने पंजाबियों की भावनाओं को समझते हुए अपना फैसला बदल दिया। ऐसे में पंजाब यूनिवर्सिटी हमेशा की तरह पंजाब की शान बनी रही।

नवीनतम फैसलों की चर्चा करें तो सबसे पहले

सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन से संबंधित अपने पूर्व आदेश पर पुनर्विचार का निर्णय उल्लेखनीय है। न्यायालय को यह आशंका हुई कि खनन आवंटन और अरावली के संरक्षण के बीच संतुलन न बिगड़ जाए, इसलिए विशेषज्ञों से पुन: विचार कर नया फैसला देने का निर्णय लिया गया। यह न्यायपालिका की पर्यावरणीय संवेदनशीलता और लोचशीलता को दर्शाता है।

इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य आदेश ने भारतीय लोकतंत्र में सबकी बात सुने जाने की गरिमा को पुन: स्थापित किया। यह मामला उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर से जुड़ा है, जिसकी जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। वर्ष 2017 के उन्नाव कांड में पीड़िता और उसके परिवार पर हुए अमानवीय अत्याचार, धमकियां और हिंसा ने पूरे देश को झकझोर दिया था। पीड़िता और उसके पिता ने न्यायालय से न्याय की गुहार लगाई। इसके पहले, बाहुबली ने लालच देकर उन्हें लोकलाज का भय दिखाकर चुप रहने के लिए दबाव डाला। इसके बाद पीड़िता के पिता को कुछ मामलों में फंसाकर हिरासत में रखा गया, उनकी मारपीट करवाई गई, और इसी कारण उनकी मृत्यु हो गई।

इस बाहुबली ने 23 दिसंबर, 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत प्राप्त कर ली थी। दलील दी कि वह एक जनसेवक है और पहले ही इस मामले में पांच साल की सजा भोग चुका है। पीड़िता के भय का अंत नहीं हुआ, क्योंकि बाहुबली रिहा हो गया था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि कानून से ऊपर कोई नहीं और पीड़ित के भय का अंत करना न्याय की मूल शर्त है।

देशभर में इस फैसले का स्वागत किया गया, क्योंकि बाहुबली के सामने निर्बल पीड़ितों की आवाज सुनी गई। ऐसी घटनाएं केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था में ही संभव हैं। बार-बार यह सिद्ध हुआ है कि भारतीय लोकतंत्र अंतत: अपनी गरिमा स्थापित करता है। यहाँ विपक्ष की आवाज सुनी जाती है और पीड़ितों व वंचितों के हितों पर ध्यान दिया जाता है। जातिगत जनगणना इसका उदाहरण है। लंबे समय से विपक्ष इसकी मांग कर रहा था, क्योंकि 2011 के बाद यह नहीं हुई थी। 2026 में प्रस्तावित जनगणना से पहले ही केंद्र सरकार ने स्वयं जातिगत जनगणना कराने का निर्णय ले लिया।

भारतीय समाज एक खुला समाज है। जब भी कोई त्रुटि या प्रवंचना सामने आती है, सरकार—चाहे कोई भी हो—उसका संज्ञान लेकर निर्णय बदलने से नहीं हिचकती। सामान्यत: न्यायपालिका के निर्णय अंतिम माने जाते हैं, किंतु जहां आवश्यक हुआ, वहां सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल बाहुबली की सजा निलंबन पर रोक लगाई, बल्कि अपने ही निर्णयों पर पुनर्विचार करने का साहस भी दिखाया। इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाया गया। संविधान के प्रति प्रतिबद्धता पर हाल के चुनावों में सत्ता और विपक्ष दोनों एकमत दिखाई दिए। वर्ष के अंत में न्यायपालिका द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार और अरावली में खनन आवंटन पर पर्यावरण को सर्वोपरि मानकर विचार करने से जनता आश्वस्त हुई है कि भारतीय लोकतंत्र में अन्याय के प्रतिकार के मार्ग सदैव खुले रहते हैं।

**लेखक साहित्यकार हैं।**

## कुछ-कुछ 2025 जैसा ही 2026 में संभव

हरिशंकर व्यास

कुछ-कुछ 2025 जैसा ही 2026 में संभव। ऊपर से भौकाल मचाते आंकड़े वही जमीनी असलियत में खोखला। विश्व बाजार में पिछले साल भारत का रुपया लुढ़का वही आर्थिकी तथा बाजार की रौनक चीनी कारखानों के उत्पादों पर आश्रित। वैश्विक वास्तविकताओं में यह हमेशा सुना गया है कि जो विकसित है या विकसित होता हुआ है तो उसकी करेंसी उसी अनुपात में मंहगी, मूल्यवान होती है। वहां के नागरिकों के पासपोर्ट का मान बढ़ता है। पर मोदी राज के हवाबाज ढोलों का कमाल है जो रुपया, निर्यात लुढके, बेरोजगारी बढ़ी मगर फिर भी ब्रिटेन, जापान, जर्मनी सभी को भारत पछाड़ता हुआ। आगे बस चीन और अमेरिका का नंबर आना है। भारत के पासपोर्ट का जहां सवाल है तो विश्वगुरू बन गए पर अपना पासपोर्ट अफ्रीकी देशों के पासपोर्ट से भी कमजोर, लुढ़कता हुआ।

सच्चाई है कि भारत की आबादी दुनिया की कुल आबादी का साढे 17 प्रतिशत है जबकि बेचारे ब्रिटेन, जापान, जर्मनी की कुल आबादी सिर्फ तीन प्रतिशत है। भारत 140 करोड़ लोगों की भीड लिए हुए है वही ब्रिटेन, जर्मनी, जापान तीनों देशों की कुल आबादी 24 करोड है। मतलब भारत के मध्यवर्ग की अनुमानित संख्या से भी कम।

लेकिन 2026 की ताजा शुरूआत जापान को पछाड देने के ढोल से हुई। यह शोर लगातार बढ़ना है। जबकि विकसित ब्रिटेन, जापान, जर्मनी बनाम भारत का बुनियादी फर्क है जो वे देश आत्मनिर्भर आर्थिकी के गौरव में सांस लेते हैं वही भारत की आर्थिकी चीन आश्रित है। भारत किसी भी मामले में अब आत्मनिर्भर नहीं है। 2014 के बाद से भारत का विकास या तो बाजार के रूप में है या व्यापारिक लेन-देन, कृषि, सेवा और खैरात-रेवड़ियों की आर्थिकी से फलता-फूलता हुआ है।

ऐसा ही सुरक्षा, सामरिक, भू राजनीति में है। 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पक्ष में खुलकर बोलने वाला कौन देश था? ईमानदारी से केवल इजराइल। रूस ने तटस्थता रखी। डोनाल्ड ट्रंप ने मौके का फायदा उठाया तथा बाद में पाकिस्तान पर शहाथ रखा। चीन ने पाकिस्तान को हर संभव मदद दी। दक्षिण एशिया, आसियान देशों में भी भारत अलग-थलग था। वह स्थिति 2026 में और बढेगी। 2026 में ट्रंप प्रशासन के साथ टैरिफ करार भले हो जाए लेकिन पाकिस्तान के लिए उसके खुले दरवाजे बंद नहीं होने हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

# श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110



## प्रमुख खबरें

### गुरु रविदास जयंती एक फरवरी को

**भिलाई।** गुरू रविदास जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ में भव्य आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। छत्तीसगढ़ सर्व रविदास समाज की राज्य स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष प्रो डॉ केएल तांडेकर ने की। संयोजन बालाराम कोलते ने किया। एससी/एसटी फेडरेशन के चेयरमैन सुनील रामटेके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह आयोजन एक फरवरी को माघ पूर्णिमा के अवसर पर सम्पन्न होना है।

### नेहरू नगर में स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान व हेलमेट वितरण

**भिलाई।** चेंबर ऑफ कॉमर्स के मार्गदर्शन एवं रॉकी अग्रवाल के संयोजन में नेहरू नगर कालीबाड़ी में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, रक्तदान शिविर और सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्व. जगदीश प्रसाद अग्रवाल व स्व. विमला देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में हुए इस आयोजन में 100 हेलमेट वितरित किए गए। संयोजक व प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि चेंबर ऑफ कॉमर्स केवल व्यापारिक संगठन नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व निभाने वाला सशक्त मंच है। मुख्य अतिथि एसएसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन जीवन की रक्षा करता है। भिलाई अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्र ने कहा कि चेंबर निरंतर सामाजिक, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जोड़ने का प्रयास कर रहा है।

### गंजपारा से राजेंद्र पार्क तक फ्लाई ओवर का सर्वे जल्द

**दुर्ग।** गंजपारा चौक से राजेंद्र पार्क चौक तक फ्लाईओवर का निर्माण होना है। इसके लिए सर्वे का काम इस सप्ताह से शुरू होने जा रहा है। सर्वे का काम डेढ़ महीने में पूरा करने के बाद विस्तृत कार्ययोजना (डीपीआर) बनाकर शासन को भेजा जाएगा। वित्तीय स्वीकृति मिलने पर निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी। सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक और शाम को 4 से 6 बजे तक अधिक दबाव होने से कई बार इस खण्ड पर जाम लग जाता है। फंड अलॉट किए जाने के बाद एजेंसी तय की गई। एजेंसी दो-चार दिनों में सर्वे शुरू करेगी। सबसे पहले मिट्टी की जांच की जाएगी।

### जन समर्पण सेवा संस्था ने 300 कंबल और सामान बांटे

**दुर्ग।** मकर सक्रांति पर जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग द्वारा जन सहयोग दो दिन विभिन्न स्थानों में जरूरतमंदों को जरूरत की सामग्री दान की। संस्था द्वारा दुर्ग के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मालवीय नगर चौक, समृद्धि बाजार, अंजोरा चौक से लेकर पावर हाउस तक सभी फुटपाथ व मंदिरों के सामने बैठे दिव्यांग, जरूरतमंद लोगों को कंबल, तिल की मिठाई, समोसा, नमकीन व चावल, दाल, सब्जी, चटनी का वितरण किया। इस दौरान लगभग 300 से ज्यादा जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया। इस सेवा में संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी, आशीष मेश्राम, सुजल शर्मा, राजेंद्र ताम्रकार, अख्तर खान, मृदुल गुप्ता, अंकेश पेशवानी, अनश खान, अंश पांडेय, दुर्गेश यादव आदि ने सहयोग दिया।

## जनवरी में टूटा इग्नू के पाठ्यक्रमों में प्रवेश का रिकार्ड; एमबीए, गीता एवं ज्योतिष की मांग अधिक

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** इंदिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी (इग्नू) में जनवरी 2026 प्रवेश सत्र में सर्वाधिक प्रवेष एमबीए, एमए भगवत गीता, एमए ज्योतिष तथा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल डेव्हलपमेंट पाठ्यक्रमों में ऑनलाईन रूप से हुआ है। यह जानकारी देते हुए शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग इग्नू अध्ययन केन्द्र क्रमांक 1503 के मुख्य समन्वयक डॉ. अभिनेष सुराना ने बताया कि प्रवेष पोर्टल के आरंभ होने के प्रारंभिक 15 दिनों में यह स्थिति देखने में आयी है। अभी इग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों में जनवरी माह में प्रवेष प्रक्रिया ऑनलाईन रूप से जारी रहेगी। डॉ. सुराना ने बताया कि दिसंबर 2025 सत्र में समाप्त हुई टर्म एण्ड परीक्षा से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों बीसीए, एमसीए, पीजी डिप्लोमा इन जियो इन्फॉरमेटिक्स, एमएससी. जियो इन्फॉरमेटिक्स तथा एमए भूगोल आदि की प्रायोगिक परीक्षाएं जनवरी माह के अंतिम सप्ताह में आरंभ होगी। इन परीक्षाओं से पूर्व

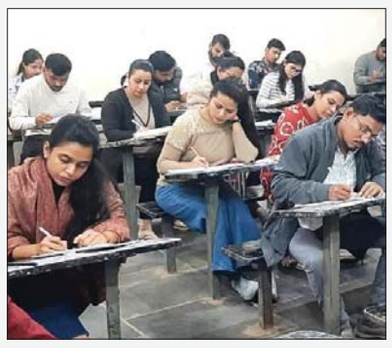

परीक्षार्थियों हेतु प्रशिक्षण प्रायोगिक कक्षाएं साईंस कालेज, दुर्ग में आरंभ हो गयी है। परीक्षार्थी अपने संबंधित विषय के विभाग से सम्पर्क कर प्रशिक्षण कक्षाओं एवं प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथि की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

साईंस कालेज, दुर्ग इग्नू अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ. जीएस ठाकुर एवं डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि अध्ययन केन्द्र में वर्तमान में चल रहे इतिहास, समाजशास्त्र, कॉमर्स, हिन्दी, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, ग्रामीण विकास, राजनीति शास्त्र, लाईब्रेरी साइंस, कम्प्यूटर साईंस आदि विषयों में स्नातकोत्तर डिग्री तथा बी.ए., बी.कॉम., बीसीए आदि स्नातक डिग्री तथा पीजी सर्टिफिकेट इन जियो इन्फॉरमेटिक्स, आपदा प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा, अनुवाद में पीजी डिप्लोमा, खाद्य एवं पोषण में डिप्लोमा, मानव अधिकार, पर्यावरण में सर्टिफिकेट तथा एमबीए, एमए भगवत गीता, एमए ज्योतिष, एमएसडब्ल्यू, खाद्य एवं पोषण में पीजी डिग्री, एम.एससी जियोइन्फॉरमेटिक्स में ऑनलाईन प्रवेष की सुविधा उपलब्ध है।

## विधायक शक्ति योजना के लिए 22 हजार महिलाओं ने भरा फार्म, लोकांगन में हुजूम

### दूसरों के घरों में काम करके अपनी आजीविका चलाने वाली महिलाओं का होगा कौशल विकास

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** वैशाली नगर विधानसभा में दूसरों के घर झाड़ू, पोंछा, बर्तन मांज कर परिवार के भरण पोषण कर रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने विधायक रिकेश सेन की शक्ति योजना के लिए लगभग 22 हजार महिलाओं ने फार्म जमा किया है। स्क्रूटनी के बाद योजना का शुभारंभ लोकांगन परिसर वैशाली नगर में हुआ। जल्द पंजीकृत महिलाओं को आई कार्ड भी दिया जाएगा।

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि वैशाली नगर विधानसभा में 'शक्ति योजना' के माध्यम से वो दूसरों के यहां अनेक घरेलू कार्य करने वाली महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। शक्ति योजना ऐसी महिलाओं को शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और स्वरोजगार से जोड़ेगी जिससे वो सशक्त और आर्थिक रूप से मजबूत हों।

सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण के प्रतीक बन चुके विधायक रिकेश बताया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखते हुए वैशाली नगर विधानसभा के लिए उन्होंने शक्ति योजना

बनाई है।

शक्ति योजना से शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्व रोजगार सहायता, बचत योजना, कम्प्यूटर प्रशिक्षण सहित अनेक लाभ कामकाजी महिलाओं को मिलेगा।

शक्ति योजना के तहत महिलाओं के लिए नि:शुल्क साक्षरता एवं कौशल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। यूपीएससी, नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेटियों को विशेष कोचिंग सुविधा मिलेगी।

कंप्यूटर, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, कुकिंग और रिपेयरिंग जैसे कोर्सेस में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। नि:शुल्क हेल्थ चेकअप और मेडिकेयर सुविधा होगी। आवश्यकता पड़ने पर बीमार या गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा का लाभ मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को विशेष सहायता राशि और पोषण आहार योजना से जोड़ा जाएगा। वृद्ध एवं विधवा महिलाओं को स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत लाभ दिया जाएगा। मानसिक स्वास्थ्य और आत्मरक्षा के लिए ट्रेनिंग कैंप भी लगाए जाएंगे।

शक्ति योजना से पंजीकृत स्वरोजगार के लिए इच्छुक महिलाओं को ऋण और आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। घरेलू उद्योग और हस्तशिल्प में प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाएगा।

आत्मनिर्भर समूह के माध्यम से ऐसी महिलाएं छोटे व्यवसाय स्थापित कर सकेंगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर और कानूनी सहायता सुविधा मिलेगी। महिलाओं के बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। जरूरतमंद परिवारों को आपातकालीन राहत सामग्री, कन्या विवाह सहायता, कानूनी सहायता, तीर्थयात्रा, पिकनिक, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित केंद्र व राज्य सरकार की महति योजनाओं का लाभ मिलेगा। समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने सांस्कृतिक उत्सवों में विशेष भूमिका दी जाएगी। बेटियों को धार्मिक एवं सामाजिक मंचों पर सम्मानित करने का प्रावधान भी है।

## सीमा कर को लेकर पूर्व विस अध्यक्ष पाण्डेय ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

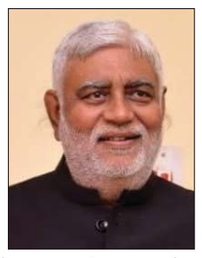

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा जारी किए गए सीमाकर/निर्यात कर (टर्मिनल टैक्स) नोटिसों पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने के बाद भी निगम द्वारा उद्योगों पर कर लगाना गंभीर विषय है और इससे प्रदेश की औद्योगिक छवि को नुकसान पहुँच रहा है।

श्री पाण्डेय ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरूण साव एवं वित्तमंत्री ओपी चौधरी को प्रतिलिपि के माध्यम से इस विषय से अवगत कराया है। पत्र के अनुसार नगर निगम भिलाई ने अपने क्षेत्र में कार्यरत लगभग 50-60 लघु एवं मध्यम उद्योगों को नोटिस जारी कर भारी राशि की मांग की है। यह मांग वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक की अवधि के लिए की गई है। निगम ने इन नोटिसों में छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 173 और मध्यप्रदेश नगर पालिका सीमा से निर्यातित वस्तुओं पर टर्मिनल टैक्स नियम 1996 (नियम 4 और 7) का हवाला दिया है। श्री पाण्डेय ने पत्र में स्पष्ट किया कि 1 जुलाई 2017 से देशभर में जीएसटी लागू हो चुका है। संविधान के 101वें संशोधन अधिनियम, 2016 और अनुच्छेद 246 व 269 के अनुसार वस्तुओं के उत्पादन, विक्रय, आपूर्ति और परिवहन पर कराधिकार केवल केंद्र और राज्य सरकारों को है। ऐसे में नगर निगम द्वारा टर्मिनल टैक्स वसूली करना अब कानूनी रूप से अप्रभावी है। उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 265 का उल्लंघन है, क्योंकि कर केवल विधि द्वारा ही लगाया जा सकता है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी उल्लेख किया कि जीएसटी लागू होने के बाद नगर निकायों को क्षतिपूर्ति के रूप में जीएसटी का हिस्सा दिया जाता है। अनुच्छेद 243- के तहत नगर निकायों को वित्तीय अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं। पाण्डेय ने कहा कि सीमाकर से उद्योगों का उत्पीड़न हो रहा है, निवेश और रोजगार पर विपरीत असर पड़ रहा है तथा राज्य की औद्योगिक छवि को नुकसान पहुँच रहा है। उन्होंने निगम द्वारा जारी सभी नोटिसों की विधिक समीक्षा कराने की मांग की है।

## ट्रैफिक रूल्स थीम पर शहीद पार्क में ड्राइंग पेंटिंग कॉम्पीटिशन आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा शहीद पार्क, सेक्टर-5 भिलाई में रोड सेफ्टी एवं ट्रैफिक रूल्स थीम पर रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 28 विभिन्न विद्यालयों के कुल 196 पेंटिंग एवं 35 रंगोली प्रविष्टियों में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

प्रतिभागियों द्वारा सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा, हेलमेट का उपयोग, सीट बेल्ट, ट्रैफिक सिग्नल का पालन, ओवरस्पीडिंग से बचाव, एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के संदेश को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया!

स्वयंसिद्धा द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से हेलमेट के उपयोग, रैश ड्राइविंग न करने, ट्रिपल सवारी से बचने, ड्रिंक एंड ड्राइव न करने जैसे यातायात नियमों पर प्रभावी जागरूकता संदेश दिया गया। उपस्थित अभिभावकों को विशेष रूप से 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन न चलाने देने हेतु प्रेरित किया गया।

प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) द्वारा छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को संबोधित कर पूर्व में घटित सड़क दुर्घटनाओं के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए यातायात नियमों के पालन के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

पेंटिंग एवं रंगोली से सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा एवं यातायात नियमों के पालन का संदेश रचनात्मक शैली में प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने अपने चित्रों एवं रंगोली के माध्यम से हेलमेट के उपयोग, सीट बेल्ट लगाने, ट्रैफिक सिग्नल के पालन, तेज गति से वाहन न चलाने, सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने जैसे विषयों को प्रभावी ढंग से उकेरा।

## सुप्रीम कोर्ट गाईड लाइन के तहत स्कूल बसों की हो रही जांच

श्रीकंचनपथ समाचार

**दुर्ग।** सड़क सुरक्षा माह 2026 के दौरान रविवार को सुप्रीम कोर्ट के गाईड लाईन के अनुसार स्कूली छात्र छात्राओं के सुरक्षित परिवहन को ध्यान में रखते हुए, यातायात पुलिस दुर्ग एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पुलिस ग्राउण्ड सेक्टर 06 भिलाई में स्कूल बस जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के 06 स्कूलों के छात्र छात्राओं के परिवहन करने वाले 46 बसों की जांच की गई।

वाहन की जांच शिविर का उददेश्य छात्र छात्राओं का सुरक्षित परिवहन से है। जांच शिविर के दौरान सर्व प्रथम वाहनों का रजिस्ट्रेशन किया गया तत्पश्चात परिवहन विभाग द्वारा स्कूल बसो के दस्तावेजो की जांच की गई जांच के दौरान वाहन का रजिस्टेशन,

परमिट, फिटनेस, बीमा, पीयूसी, रोड टैक्स, वाहन चालक का लायसेंस चेक किया गया। इसके बाद वाहनो का मैकनिकल फिटनेस जांच किया गया जिसके अंतर्गत हेड लाईट, ब्रेक लाईट, पार्किंग लाईट, इन्डिकेटर लाईट, बैक लाईट, मीटर, स्टेरिंग की स्थिति, टायर की स्थिति, क्लच, ऐक्सीलेटर, सीट की स्थिति, हॉर्न की स्थिति, वॉयपर एवं वाहन में आगे पीछे रिफ्लेक्टर लगा है कि नहीं चेक किया गया।

चेंकिग के क्रम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप जैसे वाहन में जीपीएस, सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गर्वनर, प्रेशर हार्न, आपातकालीन खिडकी, स्कूल का नाम, टेलीफोन नंबर, चालक का मोबाईल नंबर, फर्स्ट ऐड बॉक्स, अग्नि शमन यंत्र, स्कूल बस के आगे पीछे स्कूल बस लिखा है की नहीं चेक किया गया।

जांच के दौरान यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा कुल 10 स्कूली बसो पर चालान करते हुए 3000 रूपये समन शुल्क वसूल किया गया। तत्पशचात चालक परिचालक के स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई जिसमें आंखो की जांच किया गया। जिसमें 05 चालको को आंखो संबंधित शिकायत पाई गई जिन्हे चश्मा लगाने एवं लगे हुवे चश्मे में नंबर बढ़ाने हेतु समझाईस दी गई। जो बसें आज शिविर में जांच हेतु नहीं पहुंचे हैं उन्हें परिवहन के दौरान रोकर जांच की जायेगी।

### यातायात सुरक्षा माह के दौरान सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल में हेलमेट वितरण एवं रक्तदान

## हाईटेक ने समझी अपनी जिम्मेदारी, आप भी समझें : ऋचा

श्रीकंचनपथ समाचार

**भिलाई।** एडिशनल एसपी ट्रैफिक ऋचा शर्मा ने शनिवार को कहा कि यातायात सुरक्षा माह के दौरान हाइटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल ने अपनी जिम्मेदारी समझी। उन्होंने कहा कि आपको भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। ट्रैफिक को हम अक्सर बहुत कैसुअली लेते हैं। हमें लगता कि कुछ नहीं होगा। पर एक सेकण्ड में दुनिया बदल जाती है। किसी की मौत हो जाती है तो कोई जीवन भर के लिए अपंग हो जाता है।

सुश्री शर्मा हाइटेक सुपरस्पेशालिटी हॉस्पिटल द्वारा ट्रैफिक सतकर्ता माह के अंतर्गत एक रक्तदान एवं जागरूकता शिविर का आयोजन अस्पताल के सभागार में ही किया। इस अवसर पर रक्तादाताओं का प्रमाण पत्र एवं हेलमेट

प्रदान कर सम्मान किया गया।

एडिशनल एसपी ट्रैफिक ने शहर में हुई दुर्घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि एक शिक्षिका ने अपनी जान गंवा दी। एक हेलमेट उनकी जान बचा सकता था। पालक खुद लापरवाह हैं। एक स्कूल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि छोटे छोटे बच्चे बुलेट जैसी भारी गाड़ी लेकर स्कूल आ रहे हैं।

अस्पताल के डायरेक्टर मनोज अग्रवाल ने सुश्री शर्मा का अस्पताल परिवार की ओर से स्वागत करते हुए सड़क सुरक्षा को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं। उन्होंने आवारा मवेशियों का जिक्र करते हुए इसकी रोकथाम की व्यवस्था करनो की अपील की।

अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ रंजन सेनगुप्ता ने ट्रैफिक पुलिस की भूमिका की सराहना करते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने सड़क पर मवेशियों की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि ये भी हादसे का कारण बनते हैं। इस पर सुश्री ऋचा ने बताया कि सरकार प्रयास कर रही है पर समस्या उनकी देखभाल पर होने वाले खर्च की है।

इस अवसर पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। सुश्री ऋचा शर्मा एवं मनोज अग्रवाल ने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र एवं हेलमेट प्रदान कर शुभकामनाएं दीं। दोनों ने लोगों से हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करने तथा यातायात सुरक्षा के नियमों का पालन करने की अपील की।

इस अवसर पर अस्पताल के ऑपरेशन हेड अमित द्विवेदी, एचआर हेड शुभम शुक्ला, मार्केटिंग हेड सुनील दाहिया सहित स्टाफ उपस्थित था।

### पीस ऑडिटोरियम में ब्रह्मा बाबा का पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया

**भिलाई।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में संस्था के साकार संस्थापक पिता ब्रह्मा बाबा की 57 वीं पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया। भिलाई सेवाकेंद्रो की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने पिताश्री ब्रह्मा बाबा की मुख्य शिक्षाओं को सुनाते हुए कहा कि सर्व के प्रति निस्वार्थ आत्मिक दृष्टि और कल्याण की भावना रहे। अपकारियों पर उपकार करना है तो संगठन में भी एक दूसरे के प्रति रहम की भावना रहे। ब्रह्मा बाबा कहते थे व्यर्थ संकल्पों की समाप्ति के लिए, अपने संगठन को शक्तिशाली व एकमत बनाने के (फेथ) विश्वास, दूसरा-समाने की शक्ति चाहिए। संगठन को जोड़ने का धागा है - विश्वास (फेथ)। इसमें समाने की शक्ति ज्यादा चाहिए। व्यर्थ संकल्पों को समाना है। निराकारी, निरअहंकारी, निर्विकारी पिताश्री ब्रह्मा बाबा के अंतिम महावाक्य थे वे उन महावाक्यों के स्वरूप में स्थित रहकर अपने हर कर्म से सभी को शिक्षा देकर सिखलाते थे। आज के वरदानी दिवस में सबसे बड़ा पुण्य परमात्मा को याद कर स्वयं को परिवर्तन करना है। प्रात:काल ब्रह्म मूहर्त से ही सभी श्वेत वस्त्रधारी ब्रह्मा वत्सो ने मौन में रहकर मेडिटेशन रूम शांति स्तंभ,पीस ऑडिटोरियम में संगठित रूप से राजयोग मेडिटेशन द्वारा पिताश्री ब्रह्मा की शिक्षाओं को जीवन में धारण कर स्वयं में परिवर्तन का दृढ़ संकल्प किया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

## खास खबर

### जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली पर राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता 20 एवं 21 फरवरी को

**रायपुर।** जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली पर युवाओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन आगामी फरवरी में आयोजित की जाएगी। यह प्रतियोगिता फरवरी माह के 20 और 21 फरवरी को नवा रायपुर स्थित आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित की जा रही है। इच्छुक प्रतिभागी 31 जनवरी तक पंजीयन एवं अधिक जानकारी के लिए अनुसूचित जनजाति विभाग की सहायक संचालक रमा उइके, मो. 93016-55487 और पार्वती जगत, सहायक संचालक मो, 7805982502 पर संपर्क कर सकते हैं। चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक होगा। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रथम क्रम में पंजीकृत 150 चयनित प्रतिभागी भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता 18-30 वर्ष एवं 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में भाग लेना पूर्णत: नि:शुल्क है। प्रतिभागियों के लिए भोजन, आवास एवं यात्रा भत्ता की व्यवस्था विभाग द्वारा की जाएगी। प्रतियोगिता का परिणाम एवं पुरस्कार वितरण 21 फरवरी 2026 को किया जाएगा। प्रतिभागियों द्वारा कैनवास पर बनाई गई चित्रकला का मूल्यांकन विशेषज्ञ निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के साथ ही सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

### ओपन थिएटर में छत्तीसगढ़ देसी अंदाज को मिली सराहना

**कोरबा।** शहर के ओपन थिएटर में आज देसी स्वाद और लोक-संस्कृति का अनोखा संगम देखने को मिला। विभिन्न सामाजिक परिप्रेक्ष्य को सामने रखते हुए माई -जी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों की महक ने आते ही लोगों को अपनी ओर खींच लिया। देसी पकवानों का स्वाद चखते ही हर चेहरा खिल उठा और लोग छत्तीसगढ़ी स्वाद की सराहना करते नजर आए। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में पर्व त्यौहार के दौरान बनाए जाने वाले पारंपरिक व्यंजन यहां पर महिला समूह के द्वारा प्रस्तुत किए गए। इनके स्वाद को लेकर लोगों में अजीब दीवानगी दिखी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय खेलों से जुड़ी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेलों ने जहां प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाया, वहीं आपसी मेलजोल और पारिवारिक माहौल ने आयोजन को खास बना दिया। बताया गया कि दोपहर छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपरा पर आधारित नृत्य व गीतों की प्रस्तुति होंगी। लोक कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियों को देखने के लिए लोग काफी उतावले हैं ।

### एमसीबी जिला प्रेस क्लब चुनाव संपन्न, रंजीत सिंह बने दोबारा अध्यक्ष

**मनेंद्रगढ़।** पूर्व निर्धारित कार्यक्रमानुसार 18 जनवरी रविवार को पत्रकार भवन चैनपुर में एमसीबी प्रेस क्लब के द्वितीय कार्यकाल के पदाधिकारियों का निर्वाचन चुनाव अधिकारी श्रीकांत शुक्ल, रमन सिंह एवं सतीश गुप्ता के दिशा निर्देश व नेतृत्व में मतदान प्रकिया संपन्न कराई गई। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत नाम निर्देशन पत्र वापसी के पश्चात अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष पद पर एकल नाम होने तथा कोई आपत्ति नहीं आने पर उक्त दोनों पदों के अभ्यर्थी क्रमश: रंजीत सिंह अध्यक्ष एवं अरूण श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित किए गए। शेष पद उपाध्यक्ष, सचिव एवं संयुक्त सचिव पद हेतु निर्वाचन प्रारंभ कराया गया।

# छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा आगामी एक फरवरी को आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जशपुरनगर।** व्यापम छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल द्वारा छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 20 में अभ्यर्थियों के लिए जारी निर्देशों व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना है। आप सभी के सहयोग से व्यापम की विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है।

व्यापम द्वारा 20 जिलों में दिनांक 01 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का आयोजन दो पाली में किया जा रहा है। प्रथम पाली (प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु) में लगभग 1 लाख 19 हजार तथा द्वितीय पाली (माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन हेतु) में लगभग 2 लाख 05 हजार अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। यद्यपि यह परीक्षा 20 जिलों में आयोजित किया जा रहा है तथापि इस परीक्षा में राज्य के सभी 33 जिलों के अभ्यर्थी शामिल हो रहे है। जिलेवार अभ्यर्थियों एवं परीक्षा केन्द्रों की संख्या संलग्न सूची के अनुसार है। सभी जिले अभ्यर्थियों के हित में उनके लिए जारी निम्न निर्देशों का व्यापक प्रचार प्रसार परीक्षार्थी, परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने परीक्षा केन्द्र को अनिवार्य रूप से अवलोकन कर लेवें ताकि उन्हें परीक्षा दिवस को कोई असुविधा न हो।

परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका प्रिस्किंग एवं फोटो युक्त मूल पहचान पत्र से सत्यापन किया जा सके।

परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। चूंकि प्रथम पाली की परीक्षा प्रात: 9.30 बजे से प्रारंभ हो रहा है अत: मुख्य द्वार प्रात: 9.00 बजे बंद कर दिया जावेगा। द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर 3.00 बजे प्रारंभ हो रहा है इसलिए मुख्य द्वार दोपहर 2.30 बजे बंद कर दिया जावेगा।

हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, गैरून, बैगनी रंग व गहरे चॉकलेटी रंग का कपडे पहनना वर्जित होगा। केवल साधारण स्वेटर (बिना पॉकेट) की अनुमति है। सुरक्षा जांच के समय स्वेटर को उतारकर सुरक्षा कर्मी से जांच कराना होगा। स्वेटर हेतु हल्के रंग एवं आधे बांह का बंधन नहीं होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा, उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा जांच से गुजरने उपरांत ही ऐसे पोशाक की अनुमति होगी। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक पड़ी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णत: वर्जित है।

# वीबी-जी राम जी: गांव को श्रम से समृद्धि तक ले जाने की नई गारंटी

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। भारत की आत्मा गांवों में बसती है और जब गांव मजबूत होते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। इसी मूल भावना को साकार करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा विकसित भारत-ग्राम गारंटी अधिनियम 2025 (वीबी-जी राम जी) को लागू किया गया है। यह योजना ग्रामीण भारत के लिए केवल एक रोजगार कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, सम्मान और स्थायी विकास की मजबूत आधारशिला है।

वीबी-जी राम जी के माध्यम से गांवों में अब 125 दिन का सुनिश्चित रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है, साथ ही टिकाऊ और उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण भी किया जा रहा है। यह पहल ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने, पलायन रोकने और गांव की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालीन रूप से सशक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम सिद्ध हो रही है।

वीबी-जी राम जी के प्रभावी क्रियान्वयन से छत्तीसगढ़ राज्य में लगभग 40 लाख से अधिक ग्रामीण श्रमिक परिवारों को प्रतिवर्ष रोजगार मिलने का अनुमान है। राज्य के आदिवासी, वनांचल एवं कृषि-प्रधान क्षेत्रों में यह योजना आजीविका सुरक्षा का सशक्त आधार बनेगी। रोजगार के बढ़े हुए दिवसों से ग्रामीण आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, मौसमी बेरोजगारी में कमी आएगी, शहरी क्षेत्रों की ओर होने वाले पलायन में गिरावट दर्ज होगी तथा स्थानीय संसाधनों पर आधारित विकास को बढ़ावा मिलेगा।

धमतरी जिले में वीबी-जी राम जी के अंतर्गत अनुमानित 1 लाख 85 हजार से 2 लाख ग्रामीण श्रमिकों को प्रतिवर्ष रोजगार का लाभ प्राप्त होगा। जिले की ग्राम पंचायतों द्वारा जल संरक्षण, तालाब निर्माण, ग्रामीण सड़क, गोदाम, सिंचाई संरचना, हाट बाजार तथा विभिन्न प्रकार के शेड निर्माण जैसे कार्यों का चयन ग्राम सभा के माध्यम से किया जाएगा। इन कार्यों से गांवों में स्थायी एवं उपयोगी संपत्तियों का निर्माण होगा, कृषि और ग्रामीण व्यापार को मजबूती मिलेगी, महिलाओं एवं युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा ग्रामीण परिवारों की दीर्घकालीन आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

वीबी-जी राम जी की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें रोजगार के साथ-साथ कौशल विकास को अनिवार्य रूप से जोड़ा गया है। श्रमिकों को जल प्रबंधन, निर्माण, रखरखाव, भंडारण तथा तकनीकी कार्यों का प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशल श्रमिक ही नहीं, बल्कि स्थानीय उद्यमी के रूप में भी विकसित किया जाएगा। महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार, नेतृत्व और निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी मिलेगी, वहीं युवाओं को गांव में ही प्रशिक्षण एवं कार्य उपलब्ध होने से पलायन की मजबूरी में कमी आएगी।

इस योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों को विकास की धुरी के रूप में सशक्त अधिकार प्रदान किए गए हैं। ग्राम सभा की सहमति से कार्यों का चयन, पंचायत द्वारा क्रियान्वयन, अनिवार्य सोशल ऑडिट, समय पर काम नहीं मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ता तथा मजदूरी भुगतान में देरी होने पर मुआवजे जैसे प्रावधानों से योजना में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के अनुसार, वीबी-जी राम जी ग्रामीण भारत के लिए केवल एक योजना नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का स्पष्ट और व्यावहारिक रोडमैप है। 125 दिन का सुनिश्चित रोजगार, स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण और कौशल विकास गांवों को बोझ नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। कुल मिलाकर, वीबी-जी राम जी गांवों को अस्थायी राहत नहीं, बल्कि स्थायी समृद्धि प्रदान करने की योजना है।

रोजगार, कौशल, संपत्ति और सम्मान—इन चार मजबूत स्तंभों पर आधारित यह पहल विकसित भारत की नींव को गांवों से सशक्त बना रही है।

## एनएचएआई ने ब्लैक-स्पॉट्स दुरुस्त किए 200 करोड़ की परियोजनाएं प्रक्रिया में

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया—एनएचएआई) द्वारा चिन्हांकित ब्लैक-स्पॉट्स पर सुधार कार्य किए जा रहे हैं। अंडर-पास और सर्विस रोड निर्माण परियोजनाओं के लिए भी टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके लिए अन्य कार्यवाहियां भी प्रगति पर हैं।

एनएचएआई द्वारा सड़क सुरक्षा उपायों के तहत विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों पर रंबल स्ट्रिप्स, क्रैश बैरियर्स, सोलर ब्लिंकर, हाई-मास्ट लाइट्स तथा मानक साइन बोर्ड्स लगाए गए हैं। ये कार्य दुर्घटना संभावित स्थलों और व्यस्त मार्गों पर किए गए हैं।

यातायात प्रवाह को व्यवस्थित करने और राष्ट्रीय राजमार्ग पार करने वाले स्थानीय आवागमन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से अंडर-पास और सर्विस रोड निर्माण की योजना बनाई गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग53 के दुर्ग से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा खंड पर सुंदरा, पेंड्री, चिचोला, महाराजपुर और सोमनी गांवों में लगभग 90 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अंडर-पास एवं सर्विस रोड निर्माण के लिए टेंडर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही रसमड़ा में लगभग 30 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अंडर-पास निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 के रायपुर-सिमगा खंड पर सांकरा और सिलतरा में 80 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से अंडर-पास निर्माण तथा चरोदा में लगभग साढ़े छह करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बायपास क्रॉसिंग निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल लगभग 206 करोड़ 85 लाख रुपये की अनुमानित लागत से अंडर-पास और सर्विस रोड से संबंधित परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। एनएचएआई इन कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

## धान खरीदी के शेष दिवसों में प्रभावी कार्ययोजना से करें खरीदी : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा ।** कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान खरीदी के शेष दिवसों में शासन की मंशानुसार पूर्ण सजगता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर दुदावत ने अधिकारियों को प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उसके अनुसार कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि समितियों में किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। किसानों को धान विक्रय में किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए उन्हें सही एवं स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए।

उन्होंने उपार्जन केंद्रों में विक्रय हेतु आने वाले धान की सुव्यवस्थित ढेरी लगवाने, गुणवत्ता परीक्षण एवं नमी जांच के उपरांत ही धान खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही समितियों में जाम की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक पूर्व तैयारियां एवं वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने कहा कि केंद्रों में आवश्यकता अनुसार तौलाई मशीनों की उपलब्धता बढ़ाई जाए। रकबा समर्पण के साथ-साथ एंट्री कार्य भी समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल नोडल अधिकारी को सूचित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, खाद्य अधिकारी जी.एस. कंवर, जिला विपणन अधिकारी ऋतुराज देवांगन, नोडल कॉपरेटिव बैंक एस.के. जोशी सहित खाद्य निरीक्षक, समिति प्रबंधक, फड़ प्रभारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

## सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ की बेटियों ने रचा इतिहास

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर । सरगुजा जिले के लिए यह पल गर्व और उत्साह से भरा है। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा की महिला बास्केटबॉल टीम ने ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल प्रतियोगिता में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पहली बार ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

यह उपलब्धि पूरे सरगुजा जिले के खेल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गई है। विश्वविद्यालय की इस ऐतिहासिक टीम में सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों मेहनत आज रंग लाई।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि इससे पूर्व भी यह टीम राज्य स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता में विजेता रही है और उसी लय को टीम ने इंटर यूनिवर्सिटी स्तर पर भी कायम रखा।

लगातार जीत से बना दबदबा प्रतियोगिता में टीम ने शुरुआत से ही अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे। सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ से विश्वविद्यालय के टीम में प्रज्ञा मिश्रा, रिविका लकड़ा, रिमझिम, साक्षी, प्रिया जयसवाल, सुष्मिता, प्रियंका पैकरा,संसिता, रागिनी, प्रीति,नेहा, आकांक्षा शामिल रही। यह संघ के लिए काफी बड़ी उपलब्धि है। सरगुजा की बेटियों की मेहनत, संघर्ष और सपनों की ऐतिहासिक उड़ान है। जिसने पूरे देश में विश्वविद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है।

तकनीकी कोच रजत सिंह ने बताया कि पहले मुकाबले में सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय को 50द्04 के बड़े अंतर से पराजित किया। दूसरे मैच में पाटलिपुत्र से शिकस्त देकर टीम ने अपनी मजबूती साबित की। दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर को 55-35 के स्कोर से पराजित किया। क्वालीफइंग मुकाबला उत्कल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर के विरुद्ध खेला गया, जिसमें संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए 53द्30 के स्कोर से शानदार जीत दर्ज की और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल चैंपियनशिप का टिकट पक्का कर लिया। टीम के साथ कोच रजत सिंह और प्रबंधन के रूप में एस. एस. अली, राधा खलखो उपस्थित हैं।

### जिले में उत्सव का माहौल

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों में जबरदस्त हर्ष और उत्साह का माहौल है। संघ परिवार ने पूरी टीम, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय प्रबंधन को बधाई दिया।

# प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली शिवानी के परिवार की जिंदगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** हर व्यक्ति के मन में एक सुन्दर सा आवास का सपना होता है फॉरेस्ट कॉलोनी, कोण्डागांव की निवासी शिवानी तिवारी और उनके पति आशीष तिवारी वर्षों से कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। शिवानी तिवारी गृहणी हैं, जबकि आशीष तिवारी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल एक सपना था। बरसात के दिनों में घर से पानी टपकता था, फर्श में सीलन रहती थी और असुरक्षित वातावरण का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई तथा पूरे परिवार के स्वास्थ्य पर पड़ता था।

नगर पालिका परिषद, कोण्डागांव की योजना टीम द्वारा किए गए सर्वे और मार्गदर्शन से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में जानकारी मिली। योजना की पात्रता समझने के बाद उन्होंने आवश्यक दस्तावेज जमा कर आवेदन किया। स्वीकृति मिलते ही परिवार ने साहस के साथ अपने कच्चे मकान को तोड़कर पक्का घर बनाने का निर्णय लिया, क्योंकि उसी वर्ष उनकी बेटी की बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा भी होनी थी और वे बच्चों को सुरक्षित वातावरण देना चाहते थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माण की प्रगति के अनुसार राशि किश्तों में सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। प्रत्येक चरण में जियो-टैग्ड फोटो अपलोड कर सत्यापन किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही और निर्माण कार्य समय पर पूर्ण हो सका। इस सहयोग से उनका वर्षों पुराना सपना साकार हो गया।

पक्का मकान बनने के बाद शिवानी तिवारी के परिवार को अन्य शासकीय योजनाओं का भी लाभ मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन, जल जीवन मिशन से नल-जल सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय एवं डस्टबिन, आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से राशन की सुविधा प्राप्त हुई। साथ ही राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि भी मिल रही है। इन सभी योजनाओं से परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है।

श्रीमती शिवानी तिवारी बताती हैं कि नया पक्का मकान उनके लिए केवल एक घर नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक है। अब वे सामाजिक कार्यक्रमों में आत्मसम्मान के साथ भाग लेती हैं, बच्चों की पढ़ाई नियमित हो गई है, बीमारियों में कमी आई है और बार-बार मरम्मत की चिंता समाप्त हो गई है। सुरक्षित छत मिलने से मानसिक तनाव कम हुआ है और भविष्य के प्रति विश्वास बढ़ा है।

आज शिवानी तिवारी और उनका परिवार अपने स्वच्छ, सुरक्षित और पक्के घर में गर्व और खुशी के साथ जीवन यापन कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) ने न केवल उनका घर का सपना पूरा किया, बल्कि उन्हें सम्मानजनक, स्थिर और सुरक्षित जीवन भी प्रदान किया है। श्रीमती शिवानी तिवारी ने इस सहयोग के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

# थोड़ा सा पीछे चलें, 2016 की अनदेखी तस्वीरें शेयर कर पुरानी यादों में खोईं नेहा शर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा शर्मा ने अपने पिता की राजनीतिक विरासत को पीछे छोड़ते हुए फिल्म इंडस्ट्री में पहचान बनाई है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए पुरानी यादों को ताजा किया। अभिनेत्री नेहा शर्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने 2016 की कुछ पुरानी तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए। इन तस्वीरों में नेहा के फोटोशूट, यात्रा और बहन के साथ खूबसूरत पल शामिल हैं। पोस्ट में शामिल क्लिप्स उनके शुरुआती करियर की यादें ताजा कर रही हैं। इसी के साथ ही उन्होंने लिखा, थोड़ा सा पीछे चलें। साल 2016 में कुछ खास ही था।

अभिनेत्री बिहार के भागलपुर से आती हैं। उनके पिता, अजीत शर्मा, एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक हैं, जो लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं। परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद नेहा ने राजनीति में नहीं, बल्कि मनोरंजन जगत में पहचान बनाई। उन्होंने तेलुगु सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत की थी। अभिनेत्री ने 'चिरुथा' से डेब्यू किया था। हालांकि, अभिनेत्री को खास पहचान नहीं मिली थी। इसके बाद 2009 में उन्हें 'कुर्राडू' में देखा गया था। ये फिल्म हिट थी। तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाने के बाद उन्होंने बॉलीवुड का रुख किया।

हिंदी सिनेमा में अभिनेत्री ने 2010 में इमरान हाशमी के साथ फिल्म क्रूक में एंट्री ली। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया और एक्ट्रेस की लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों में देखा गया लेकिन इनमें से सिर्फ चुनिंदा फिल्मों ने ही बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा दिखाया।

इसके बाद उन्होंने क्या सुपर कूल हैं हम, जयंताभाई की लव स्टोरी, यमला पगला दीवाना 2, यंगिस्तान, तुम बिन 2, मुबारकां, जय हो, तान्हाजी, और जोगीरा सारा रा रा जैसी फिल्मों में काम किया है। इसी के साथ ही नेहा ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी कई हिट फिल्में दी हैं।

## किसी को बुरा दिखाकर अच्छा नहीं बन सकते, पेड नेगेटिव पीआर पर भड़कीं सोनल चौहान

बॉलीवुड में पेड नेगेटिव पीआर और सोशल मीडिया ट्रोलिंग अब एक बड़ी समस्या बन चुकी है। कई एक्टर्स इस तरह की जानबूझकर फैलाई जा रही नकारात्मकता से परेशान हैं। इसी बीच अभिनेत्री सोनल चौहान ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा कि किसी को नीचा दिखाकर कोई खुद ऊपर नहीं उठ सकता। सोनल का मानना है कि बॉलीवुड में कॉम्पिटिशन तो होनी चाहिए, लेकिन वह सकारात्मक और रचनात्मक हो।

ट्रोलिंग और पेड नेगेटिविटी से न सिर्फ एक्टर्स की मानसिक शांति प्रभावित होती है, बल्कि उनके काम और मेहनत पर भी बुरा असर पड़ता है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर किए पोस्ट के जरिए अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, एक्टर्स के खिलाफ चल रही ये पेड पीआर अब बंद होनी चाहिए। इतनी नेगेटिविटी की कोई जरुरत नहीं है। किसी को बुरा दिखाकर कोई अच्छा नहीं बन सकता। हम एक-दूसरे के लिए खुश क्यों नहीं हो सकते? सब बहुत मेहनत करते हैं, अगर हम सपोर्ट करें, तो इंडस्ट्री का माहौल बहुत बेहतर हो सकता है। हमें बस थोड़ा सकारात्मक रहना है। सोनल से पहले कई एक्टर्स पेड नेगेटिव पीआर के खिलाफ आवाज उठाते दिखे। तारा सुतारिया ने हाल ही में बताया कि उनके खिलाफ पेड नेगेटिव पीआर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झूठी अफवाहें और ट्रोलिंग से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। वे चाहती हैं कि लोग उनके काम पर फोकस करें, न कि बनाई हुई कहानियों पर। यामी गौतम ने भी पेड हाइप और नेगेटिव कैंपेन को इंडस्ट्री के लिए खतरनाक बताया।

उन्होंने कहा कि यह एक तरह की वसूली है, जो धीरे-धीरे दीमक की तरह पूरी इंडस्ट्री को खा जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री से इस कल्चर को खत्म करने की अपील की।

ऋतिक रोशन ने पेड पीआर पर गहरा बयान दिया। उन्होंने बताया कि सबसे कीमती चीज जो खो जाती है, वह है पत्रकारों की सच्ची आवाज। पैसे के दबाव में उनकी कलम बंध जाती है, सच बोलने की आजादी छिन जाती है।

# जन्मदिन पर मिनिषा लांबा ने लिखा मां के लिए इमोशनल नोट.....

## कहा -'हर जन्म में आप ही मां बनना'

**अभिनेत्री मिनिषा लांबा 18 जनवरी को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है और अपनी मां के लिए दिल छू लेने वाला नोट लिखा है।**

कई चर्चित बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस मिनिषा लांबा अब इंडस्ट्री से दूर हैं। हालांकि, वे सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहती हैं। कल 18 जनवरी को वे अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस अवसर पर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उन्होंने खुद को बधाई दी है। साथ ही अपनी मां के नाम नोट लिखा है।

### जन्मदिन पर मिनिषा ने शेयर किया पोस्ट

मिनिषा लांबा ने रविवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'मुझे जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई! जिसे सेलिब्रेट करना चाहिए, असली हीरो मेरी मां हैं। दुनियाभर की सभी मां हीरो हैं। मेरी मां जब लेबर पेन में सारे मुश्किल काम कर रही थीं, मैंने तो तब भी बस मौ महीने आराम कर रही थी। फिर मां ने अपने पहले बच्चे के साथ सबकुछ संभाला'।

### 'आप हर जन्म में मेरी मां बनना'

अपनी मां को पोस्ट में टैग करते हुए मिनिषा ने लिखा है, 'मैं आपसे बेहद प्यार करती हूं मां। उम्मीद करती हूं कि आपकी (और दुनिया की हर मां की) सारी मेहनत और कुर्बानियां रंग लाई होंगी। मुझे उम्मीद है कि मैं आपकी बेटी होने के नाते आपके तकलीफ के दिनों में थोड़ी बहुत ही सही, खुशियां दे पाई हूं। जैसे-जैसे मैं बड़ी हो रही हूं, हर साल मुझे एहसास होता है कि इस दुनिया में जिंदगी लाने और हर दिन अपनी पूरी क्षमता से काम करने में कितनी मेहनत लगती है। लोग अपने जीवनसाथी के लिए सात जन्मों तक का साथ चाहते हैं। मगर, आपके लिए मैं चाहूंगी कि आप हर जन्म में मेरी मां बनें।

### मॉडलिंग से शुरू किया था करियर

मिनिषा के करियर की बात करें तो उन्होंने मॉडलिंग से शुरुआत की। एक्ट्रेस ने दिल्ली के मिरांडा हाउस कॉलेज से पढ़ाई की। पढ़ाई के दौरान वे मॉडलिंग करने लगीं। मिनिषा ने कई बड़ी कंपनियों के एड फिल्म में काम किया। इनमें 'एलजी', 'सोनी', 'कैडबरी', 'हाजमोला', 'एयरटेल' और 'सनसिल्क' जैसे ब्रांड हैं। 'कैडबरी' के एड के दौरान निर्देशक शूजित सरकार ने उन्हें अप्रोच किया। मिनिषा ने साल 2005 में शूजित सरकार की फिल्म 'यहां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

# 'धुरंधर' के बाद खुद पर और जिम्मेदारी महसूस करती हैं सारा अर्जुन, बताया कौन है पसंदीदा टॉलीवुड स्टार

सारा अर्जुन को रणवीर सिंह के साथ फिल्म 'धुरंधर' से बॉलीवुड में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू करने के बाद काफी लोकप्रियता मिली है। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी आगामी तेलुगु फिल्म 'यूफोरिया' के प्रचार में व्यस्त हैं। इस दौरान हैदराबाद में हुए एक इवेंट में सारा ने 'धुरंधर' से मिली सफलता पर बात की। साथ ही उन्होंने अपने पसंदीदा टॉलीवुड स्टार का नाम भी बताया। हैरानी की बात ये है कि ये नाम महेश बाबू या अल्लू अर्जुन नहीं है।

### सारा को पसंद हैं विजय देवरकोंडा

हैदराबाद में कार्यक्रम में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि लंबे समय बाद अपने तेलुगु दर्शकों के सामने खड़े होना खास लग रहा है। यहां जिस तरह से गर्मजोशी से संस्कृति और कहानियों का जश्न मनाया जाता है, मैं उसकी प्रशंसा करती हूं। मुझे उम्मीद है कि 'यूफोरिया' भी दर्शकों से जुड़ेगी। यह एक बहुत महत्वपूर्ण कहानी है। इस दौरान जब सारा से पूछा गया कि उनका पसंदीदा तेलुगु स्टार कौन है? तो अभिनेत्री ने कुछ देर सोचने के बाद कहा कि बहुत सारे हैं। मैं चुन नहीं सकती। लेकिन अभी मुझे विजय देवरकोंडा बहुत पसंद हैं।

### सिर्फअपने काम पर ध्यान देना चाहती हैं सारा

'धुरंधर' के बाद मिली लोकप्रियता के क्या अपने किरदार को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर सारा ने कहा कि मैं हर प्रोजेक्ट में बदलाव नहीं देखती। मैं हर दिन बदलाव की तलाश करती हूं। मुझे एहसास है कि इसे अपने काम के रूप में अपनाना एक बड़ा सौभाग्य है। मुझे बेहतर प्रदर्शन करने की अधिक जिम्मेदारी महसूस होती है, बस इतना ही। मैं खुद पर ज्यादा दबाव डालना पसंद नहीं करती। बेहतर करने की जिम्मेदारी हमेशा मेरे कंधों पर रहेगी। मैं अभी करियर के शुरुआती दौर में हूं और मैं बस सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहती हूं। ताकि मैं लगातार काम करती रहूं।

### 6 फरवरी को रिलीज होगी 'यूरोफिया'

'धुरंधर' के बाद अब सारा अर्जुन अपनी आगामी तेलुगु फिल्म 'यूरोफिया' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। गुणेशेखर द्वारा निर्देशित यह फिल्म ड्रग्स जैसे मुद्दे पर आधारित है। फिल्म में सारा अर्जुन के अलावा भूमिका चावला और गौतम मेनन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# पेट में दर्द होने पर आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

**पेट में दर्द होना एक आम समस्या है, लेकिन यह बहुत असहनीय होता है। यह कई कारणों से हो सकता है, जैसे कि गैस, कब्ज, अनियमित भोजन आदि। इस लेख में हम कुछ असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में जानेंगे, जो आपके पेट के दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं। इन नुस्खों को अपनाकर आप बिना किसी दवा के अपने पेट की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।**

### अदरक का सेवन करें

अदरक एक प्राकृतिक उपाय है, जो पेट की समस्याओं के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें सूजन को कम करने वाले गुण होते हैं, जो दर्द से राहत दिलाते हैं। अदरक की चाय पीने से या कच्चे अदरक के टुकड़े चूसने से आपको तुरंत आराम मिल सकता है। आप इसे अपने खाने में भी शामिल कर सकते हैं ताकि इसका असर बढ़े और पेट की समस्याओं का समाधान हो सके।

### पुदीने की पत्तियां चबाएं

पुदीना ताजगी देने वाला और पाचन क्रिया को सुधारने वाला पौधा है। इसमें एक खास तत्व होता है, जो पेट की गैस को कम करने में मदद करता है और पेट की मांसपेशियों को आराम देता है। पुदीने की पत्तियां चबाने से या पुदीने की चाय पीने से आपके पेट की समस्याओं का समाधान हो सकता है। यह नुस्खा न केवल आपके पेट को आराम पहुंचाता है, बल्कि आपको ताजगी भी महसूस कराता है।

### गर्म पानी की बोतल का करें उपयोग

गर्म पानी की बोतल का उपयोग करना एक पुराना और असरदार तरीका है, जिससे पेट के दर्द में राहत मिलती है। इसे प्रभावित हिस्से पर लगाने से रक्त का बहाव बढ़ता है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। यह उपाय खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है, जो गैस या ऐंठन की समस्या से जूझ रहे हैं। ध्यान रखें कि पानी की बोतल बहुत गर्म न हो, इससे त्वचा जल सकती है।

### केला खाएं

केला पोटेशियम और फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक मिठास ऊर्जा प्रदान करती है और पेट की समस्याओं को कम करती है। रोजाना एक या दो केला खाने से आपके पेट की सेहत बेहतर होती है। केला एक ऐसा फल है, जिसे किसी भी समय खाया जा सकता है और यह आसानी से पच जाता है, जिससे आपको तुरंत राहत मिलती है।

### दही का सेवन करें

दही में अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, जो पेट की बैक्टीरिया संतुलन को बनाए रखने में मदद करते हैं। यह पाचन क्रिया को सुधारता है और सूजन को कम करता है। रोजाना एक कटोरी दही खाने से आपके पेट की समस्याओं का समाधान हो सकता है। इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप अपने पेट की समस्याओं का प्राकृतिक तरीके से इलाज कर सकते हैं। इनका नियमित उपयोग आपकी पाचन क्रिया को स्वस्थ रखता है।

## खास खबर

### युवाओं को अध्ययन, करियर मार्गदर्शन और प्रेरणा देने 'युवा उड़ान 2026'का आयोजन

**अंबिकापुर।** सरगुजा अंचल के युवाओं को अध्ययन, करियर मार्गदर्शन एवं जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देने के उद्देश्य से युवा उड़ान 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष आयोजन 22 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे, कलाकेंद्र मैदान, अम्बिकापुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम में देश के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व युवाओं से सीधे संवाद करेंगे। प्रख्यात गणितज्ञ, शिक्षाविद और 'सुपर 30' के संस्थापक पद्मश्री सम्मानित श्री आनंद कुमार, साथ ही विश्वविख्यात लेखक श्री नीलोत्पल मृणाल युवाओं को अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षा, करियर चयन, संघर्ष और सफलता के मार्ग पर मार्गदर्शन देंगे। आयोजन में स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित युवाशक्ति को राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाने का संदेश दिया जाएगा। युवा उड़ान 2026 का उद्देश्य सरगुजा के युवाओं में आत्मविश्वास का संचार करना, उन्हें लक्ष्य निर्धारण, करियर विकल्पों की समझ तथा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम विकसित सरगुजा, विकसित छत्तीसगढ़, विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किया जा रहा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं अभिभावकों की सहभागिता की अपेक्षा है।

### पीएम सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन में कोंडागांव जिले की उल्लेखनीय उपलब्धि

**रायपुर।** कोंडागांव जिला नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया मिसाल कायम कर रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी और सुव्यवस्थित क्रियान्वयन से जिले में 500 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस योजना के तहत लक्ष्य प्राप्ति में कोंडागांव जिला पूरे राज्य में अग्रणी है। यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक 426 सौर संयंत्रों का विद्युत ग्रिड से सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया जा चुका है, जबकि शेष संयंत्रों को ग्रिड से जोड़ने का कार्य निरंतर प्रगति पर है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में उपभोक्ता प्रत्यक्ष रूप से सौर ऊर्जा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।यह उपलब्धि कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के सशक्त मार्गदर्शन, सतत निगरानी एवं प्रशासनिक प्रयासों का परिणाम है। उनके निर्देशानुसार नियमित समीक्षा और विभागीय समन्वय को सुदृढ़ किया गया तथा जनजागरूकता शिविरों के माध्यम से आम नागरिकों को योजना से जोड़ने के विशेष प्रयास किए गए, जिससे योजना से अधिक से अधिक हितगाही जुड़े। जिला प्रशासन द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया कि अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक योजना का लाभ पहुँचे तथा सब्सिडी, तकनीकी सहायता एवं प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं सुगम बनाया जाए। इस अभियान में विद्युत विभाग की तकनीकी दक्षता एवं नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से कोंडागांव हरित ऊर्जा की दिशा में अग्रसर एक आदर्श जिला के रूप में स्थापित हुआ है। विद्युत व्यय में उल्लेखनीय कमी आई है, वहीं पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। विस्तार देते हुए कोंडागांव को छत्तीसगढ़ का अग्रणी सोलर जिला बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रखे जाएंगे।

# गणतंत्र दिवस 2026: छत्तीसगढ़ के प्रत्येक ग्राम में आयोजित होगा उल्लास मेला

## नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत नव साक्षरों को मिलेगा सीखने, सिखाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारत सरकार द्वारा संचालित उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के प्रत्येक ग्राम में 26 जनवरी 2026, गणतंत्र दिवस के अवसर पर उल्लास मेला का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन ग्राम स्तर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात् प्रातः से सायं तक व्यापक सहभागिता के साथ संपन्न होगा। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ के संचालक ऋतुराज रघुवंशी ने इस आशय का पत्र कलेक्टरो को जारी कर कहा है कि उल्लास मेला का आयोजन करना सुनिश्चित करें।

### उल्लास कार्यक्रम की पृष्ठभूमि

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के उन व्यस्कों को सशक्त बनाना है, जिन्होंने औपचारिक स्कूली शिक्षा प्राप्त नहीं की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता, संख्यात्मक ज्ञान के साथ-साथ जीवन कौशल, डिजिटल साक्षरता एवं स्वास्थ्य साक्षरता की जानकारी प्रदान की जाती है। छत्तीसगढ़ राज्य में यह कार्यक्रम वर्ष 2023 से संचालित है, जिसके अंतर्गत अब तक लगभग 10 लाख नव साक्षर साक्षर हो चुके हैं तथा उन्हें एनआईओएस के माध्यम से प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए हैं।

### उल्लास मेले का उद्देश्य

उल्लास मेला नव साक्षरों को केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित न रखते हुए उन्हें व्यावहारिक जीवन की शिक्षा से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। इस मेले के माध्यम से नव साक्षरों को उल्लास कार्यक्रम से जोड़ना, नवीन अवधारणाओं से परिचित कराना तथा पढ़ने-लिखने से लेकर व्यवहारिक शिक्षा तक के विभिन्न स्टॉलों का संचालन स्वयं नव साक्षर, स्वयंसेवक एवं शिक्षार्थियों द्वारा कराना प्रमुख उद्देश्य है। इससे नव साक्षरों को सीखने के साथ-साथ व्यावसायिक अनुभव प्राप्त होगा तथा उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

### सीखने की तीन-स्तरीय प्रक्रिया

उल्लास मेला नव साक्षरों के लिए सीखने की प्रक्रिया को तीन स्तरों पर सुदृढ़ करता है। प्रथम स्तर पर नवीन विषयवस्तु एवं अवधारणाओं से परिचय कराया जाता है, द्वितीय स्तर पर सीखी गई अवधारणाओं का अभ्यास कराया जाता है तथा तृतीय स्तर पर सीखी गई अवधारणाओं का मूल्यांकन किया जाता है। इस प्रक्रिया के माध्यम से यह स्पष्ट रूप से आकलन किया जा सकेगा कि नव साक्षर अपने दैनिक जीवन में प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का उपयोग कर पा रहे हैं या नहीं।

### उल्लास मेले की प्रमुख विशेषताएँ

प्रत्येक ग्राम में आयोजित उल्लास मेले में बुनियादी साक्षरता, संख्याज्ञान, डिजिटल साक्षरता एवं स्वास्थ्य साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण घटकों पर आधारित स्टॉल लगाए जाएंगे। सभी स्टॉलों का निर्माण एवं संचालन नव साक्षर, स्वयंसेवक एवं शिक्षार्थियों द्वारा किया जाएगा। आवश्यकता अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं फूड स्टॉल का आयोजन भी किया जा सकेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ उल्लास शपथ के साथ किया जाएगा तथा आयोजन से पूर्व ग्राम स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा।

### मेले के आयोजन हेतु निर्देश

उल्लास मेला प्रत्येक ग्राम में गणतंत्र दिवस के ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात् अनिवार्य रूप से आयोजित किया जाएगा। स्टॉल संचालन हेतु नव साक्षरों, स्वयंसेवकों एवं शिक्षार्थियों को 4-5 दिन पूर्व अवधारणा के अनुरूप तैयार किया जाएगा। ग्राम प्रभारी द्वारा निगरानी, समन्वय एवं सहयोग किया जाएगा, किंतु स्टॉलों का संचालन स्वयं नव साक्षर, स्वयंसेवक एवं शिक्षार्थियों द्वारा ही किया जाएगा। स्टॉल पर आने वाले नव साक्षर निर्देश पढ़कर गतिविधियाँ करेंगे, आवश्यकता पड़ने पर ही संचालनकर्ता द्वारा निर्देश पढ़ने में सहायता दी जाएगी। 26 जनवरी 2026 से पूर्व मेले का डेमो अनिवार्य रूप से किया जाएगा। यह आयोजन केवल गणतंत्र दिवस तक सीमित न रखते हुए भविष्य में भी राष्ट्रीय पर्वों, त्योहारों एवं महत्वपूर्ण दिवसों पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मोबाइल एप के माध्यम से स्वयंसेवकों, शिक्षकों एवं असाक्षरों का चिन्हांकन एवं एंट्री कार्य भी किया जाएगा तथा उल्लास साक्षरता केंद्रों में शिक्षार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु ग्राम प्रभारी द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधि या शासकीय अमले को लिखित जिम्मेदारी दी जाएगी। 26 जनवरी 2026 को प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके पश्चात् 9 बजे से 09.30 बजे तक उद्बोधन कार्यक्रम होगा। 09.30 से 10.30 बजे तक नव साक्षरों एवं स्वयंसेवकों द्वारा अपने अनुभव साझा किए जाएंगे। प्रातः 10.30 बजे से सायं 05.00 बजे तक उल्लास मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

### प्रशासनिक समन्वय एवं निगरानी

उल्लास मेले की तैयारी एवं सफल आयोजन हेतु जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तर पर निरंतर समीक्षा की जाएगी। संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी वेबिनार, बैठकों एवं फील्ड स्तर पर सतत निगरानी करेंगे। कार्यक्रम का दस्तावेजीकरण कर 15 फरवरी 2026 तक राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण को प्रेषित किया जाएगा। उल्लास मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि नव साक्षरों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सशक्त नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी।

# विश्व संवाद केंद्र छत्तीसगढ़ के विशेषांक समरस छत्तीसगढ़ का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर ।** विश्व संवाद केंद्र छत्तीसगढ़ द्वारा समरस छत्तीसगढ़ विशेषांक का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त कार्यालय जागृति मंडल में शनिवार को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रान्त संघचालक माननीय डॉ टोपलाल वर्मा जी ने की।

इस अवसर पर रामदत्त चक्रधर जी ने कहा, भारत वर्ष का इतिहास एवं समाज जीवन की रचना अत्यंत प्राचीन है, जो समाज जितना प्राचीन होता है उतना ही उतार-चढ़ाव देखता है. समाज जब एक रस होता है तो उत्थान की ओर अग्रसर होता है. शरीर के अंगों के काम अलग-अलग हैं, लेकिन सबके अंदर एक रस है. किसी अंग को चोट लगती है तो हर अंग अपनी प्रतिक्रिया देता है. हमारे किसी भी ग्रन्थ में विषमता का कोई उल्लेख नहीं है. आदरणीय डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर भी यह बात कहते हैं. भारतीय साहित्य में कहीं विषमता और शोषण का उल्लेख नहीं है लेकिन फिर भी समाज में विकृति आई, उसके पीछे सबसे बड़ी वजह हम अपना स्वत्व और मूल राष्ट्रीय चरित्र को भूलना था. इस्लामिक एवं अंग्रेजों के शासन के समय समाज को तोड़ने का कार्य हुआ इसके बाद भी समाज में लोगों ने कठिन से कठिन कार्य स्वीकार्य कर लिया लेकिन धर्म और अपनी संस्कृति को नहीं छोड़ा. पूज्य बाबा साहब के आदर्श, उनका चिंतन हमें स्मरण करना होगा. आज समाज में समरसता के विषय में बहुत अच्छे कार्य हुए, ऋषि मुनियों और महान पुरुषों के योगदान से विषमता कम हुई है लेकिन फिर भी समाज में समरसता हेतु प्रबोधन की आवश्यकता है.संत पूज्य रैदास, महान वीर सावरकर, पं मदन मोहन मालवीय जी समेत अनेक समाज सुधारकों व माँ भारती के सपूतों ने समरसता के लिए प्रयास किया जिससे आज हमारा समाज समरस है. पूज्य बाबा गुरु घासीदास ने मनखे-मनखे एक समान का मंत्र दिया, उसे देश ही नहीं विश्व को अपनाना होगा. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वर्धा शिविर में महात्मा गांधी संघ की शाखा में आए तो स्वयंसेवकों से परिचय किया. किसी ने जाति का परिचय नहीं दिया तो वह आश्चर्यचकित रह गए, उन्होंने शाखा कार्य पद्धति की प्रशंसा की. इसी तरह पूज्य बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर ने भी संघ की शाखा में सामाजिक समरसता का जो भाव देखा उसकी प्रशंसा की। कार्यक्रम में प्रान्त प्रचारक अभय राम जी, प्रान्त प्रचार प्रमुख संजय तिवारी, रायपुर महानगर संघचालक महेश बिड़ला, सह प्रान्त प्रचार प्रमुख नीरज समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

# सौतनार में 'न्योता भोजन' के जरिए बच्चों को मिला अपनापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**सुकमा।** शासन के मंशानुरूप शिक्षा और पोषण को नई दिशा देने के लिए सुकमा जिला प्रशासन द्वारा लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को छिंदगढ़ विकासखंड के ग्राम सौतनार में जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. मंडावी की उपस्थिति में 'न्योता भोजन' कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया।

यह पहल न केवल बच्चों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज में सामुदायिक सहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी पेश कर रही है। सघन निरीक्षण से परखी शिक्षा की गुणवत्ता जिला प्रशासन के विशेष निर्देशानुसार, ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न विभागों के कार्यों के मूल्यांकन हेतु निरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी के तहत डीईओ मंडावी ने सौतनार क्षेत्र के 6 स्कूलों और एक आश्रम शाला का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शालाओं में पठन-पाठन की स्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति और बच्चों के सीखने के स्तर का बारीकी से जायजा लिया। बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर किया भोजन निरीक्षण के पश्चात, माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला सौतनार में आयोजित 'न्योता भोजन' कार्यक्रम में श्री मंडावी ने स्वयं हिस्सा लिया। उन्होंने किसी औपचारिक प्रोटोकॉल के बजाय एक अभिभावक की तरह बच्चों के साथ टाट-पट्टी पर बैठकर मध्यान्ह भोजन ग्रहण किया।

# सरसों की खेती से आत्मनिर्भर बनीं बजरहीन बाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ खेती न केवल आजीविका का साधन है बल्कि आत्मनिर्भरता का आधार भी है। छत्तीसगढ़ में भी किसान आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं के सहयोग से निरंतर प्रगति कर रहे हैं।

इसी तारतम्य में मुंगेली जिले के विकासखंड लोरमी के ग्राम बिंदावल की कृषक महिला बजरहीन बाई गोंड़ की, जिन्होंने सरसों की खेती से अपनी मेहनत और सरकारी सहयोग के बल पर सफलता की नई मिसाल कायम की है। बजरहीन बाई गोंड़, पिछले 30 वर्षों से खेती से जुड़ी हुई हैं। उनके परिवार की आजीविका पूरी तरह कृषि पर निर्भर है। वर्ष 2025-26 में उन्होंने कृषि विभाग की तरफ योजना अंतर्गत सरसों फसल प्रदर्शन में भाग लिया। इस योजना के तहत उन्हें 1.970 हेक्टेयर क्षेत्र में उन्नत सरसों बीज उपलब्ध कराया गया।

कृषि विभाग लोरमी द्वारा न केवल बीज प्रदान किए गए, बल्कि समय-समय पर खाद, रोग-व्याधि नियंत्रण किट तथा कृषि वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षण भी दिया गया। आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक मार्गदर्शन का सकारात्मक प्रभाव फसल पर स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

परिणामस्वरूप, बजरहीन बाई गोंड को असिंचित क्षेत्र में 01 हेक्टेयर से 16 क्विंटल सरसों का उत्पादन प्राप्त हुआ, जो क्षेत्र की औसत उपज से कहीं अधिक है। इससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई।

# विधायक राजेश मूणत ने रायपुर पश्चिम को दी करोड़ों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रायपुर पश्चिम के विधायक और पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखते हुए करोड़ों रुपये के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इस अवसर पर उनके साथ रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, सामाजिक अधोसंरचना और शहरी कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

?हीरापुर स्थित प्रेरणा ब्लाइंड विद्यालय में दृष्टिबाधित बच्चों की असुविधा को दूर करने हेतु विधायक श्री मूणत ने अपनी विधायक निधि से स्वीकृत 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नवीन कक्षों का भूमिपूजन किया। इस दौरान छात्राओं की सुमधुर गीतों की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। जनभावनाओं का सम्मान करते हुए विधायक ने हीरापुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के जीर्णोद्धार के लिए 25 लाख रुपये की तत्काल स्वीकृति दी और जरवाय में 9 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक उद्यान (पार्क) निर्माण की घोषणा की।

लोक निर्माण विभाग के माध्यम से आमापारा, तात्यापारा, अग्रसेन चौक, तेलघानी नाका और रामसागरपारा जैसे प्रमुख मार्गों में 2 करोड़ 17 लाख रुपये की लागत से सीमेंटीकरण एवं डामरीकरण कार्य का शुभारंभ किया गया। साथ ही करबला तालाब में बच्चों के लिए 25 लाख रुपये की लागत से 'किड्स जोन' का भूमिपूजन भी संपन्न हुआ। ग्राम अटारी में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य मनवा कुर्मी समाज के 80वें अधिवेशन में शामिल होकर श्री मूणत ने 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। मेरा विजन रायपुर पश्चिम को एक आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त विधानसभा बनाने का है। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से आज जिन सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ है, वे क्षेत्र की प्रगति की नई जीवनरेखा बनेंगी।

बेहतर कनेक्टिविटी और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर ही विकसित समाज की नींव हैं। प्रेरणा विद्यालय के बच्चों की सेवा हो या शहरी सड़कों का जाल, हमारी सरकार और मेरा संकल्प केवल जन-हित और विकास है। हम गुणवत्तापूर्ण निर्माण के जरिए रायपुर की सूरत बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# ऑल इंडिया सिंगलीगर सिख प्रीमियर लीग में नर्मदापुरम टीम की ऐतिहासिक जीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि युवाओं को सही दिशा देने, अनुशासन सिखाने और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने का सशक्त माध्यम है। इसी उद्देश्य को साकार करता हुआ ऑल इंडिया सिंगलीगर सिख प्रीमियर लीग का ऐतिहासिक फाइनल मुकाबला आज 18 जनवरी को रायपुर के एमबीपीएल ग्राउंड सरोना रोड में संपन्न हुआ।

गुरुद्वारा कलगीधर साहिब, आमनाका रायपुर के युवा सेवादारों द्वारा, शहीद श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित इस अखिल भारतीय क्रिकेट आयोजन के फाइनल में नर्मदापुरम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नागपुर की टीम को पराजित कर स्क्रू ट्रॉफी और नगद पुरस्कार पर कब्जा जमाया।

फाइनल मुकाबले को देखने के लिए हजारों क्रिकेट प्रेमी मैदान में मौजूद रहे। रोमांच, जोश और खेल भावना से भरे इस मुकाबले ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और युवाओं में खेल के प्रति नया उत्साह जगाया। 13 जनवरी से प्रारंभ हुई इस अखिल भारतीय स्क्रू प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों ने भाग लिया। पांच दिनों तक चले कड़े मुकाबलों के बाद नागपुर और नर्मदापुरम ने फाइनल में जगह बनाई। यह प्रतियोगिता केवल जीत-हार तक सीमित नहीं रही, बल्कि सिख युवाओं को नशे से दूर रखने, आपसी भाईचारे को मजबूत करने और उनकी खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का प्रेरणादायी प्रयास बनी। समाज की सामूहिक भागीदारी से इस आयोजन को नई ऊर्जा और मजबूती मिली।

### समाज का अभूतपूर्व सहयोग

इस आयोजन को सफल बनाने में समाज के वरिष्ठजनों, गणमान्य नागरिकों, आयोजक मंडल, महिलाओं एवं युवाओं का सराहनीय योगदान रहा। समाज के अनेक लोगों ने तन, मन और धन से सहयोग कर इसे एक ऐतिहासिक आयोजन बनाया।

गुरुद्वारा श्री कलगीधर साहिब के प्रधान सरदार तिलक सिंह, सरदार रंधावा सिंह बावरी, हरपाल सिंह भामरा, विजय सिंह, रिंपी सिंह सहित आयोजन समिति के वरिष्ठ एवं युवा सदस्य लगातार सक्रिय रहे।

फाइनल अवसर पर SGPC धर्म प्रचार कमेटी छत्तीसगढ़ के प्रमुख गुरमीत सिंह सैनी, SGPC अमृतसर के अजीत सिंह, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, संजय सिंघल, सुबोध हरितवाल, छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा, छत्तीसगढ़ सिख संगठन के संस्थापक हरपाल सिंह भामरा, अध्यक्ष दलजीत सिंह चावला, गुरमीत सिंह टोनी, गुरुद्वारा देवपुरी के प्रधान कुलवंत सिंह सैनी, मीत प्रधान रसपाल सिंह संधू, गुरुद्वारा सच्चा सौदा के प्रधान प्रीतम सिंह खालसा, छत्तीसगढ़ सिख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन के संयोजक जी.एस. भामरा सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी व नगद पुरस्कार प्रदान किए। गुरुद्वारा श्री कलगीधर साहिब के युवा सेवादारों द्वारा आयोजित यह स्क्रू क्रिकेट लीग, शहीद श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के बलिदान, साहस और मानवता के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनी।

# पक्के घर ने बदला जीवन, बढ़ाया मान-सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर ।** जिला मुख्यालय कबीरधाम से 70 किलो मीटर की दूरी पर बसे वनांचल गांव सोनवाही ग्राम पंचायत झलमला विकासखंड बोड़ला की रहने वाली श्रीमती फूलबतिया बाई बैगा के लिये हर मानसून डर और असुरक्षा लेकर आता था। कच्ची मिट्टी की दीवारें, दरकती खपरैल की छत और टपकता बरसात का पानी यह सब उनके लिए घर कम हर पल की चिंता ज्यादा थी। लेकिन अब यह डर अतीत बन चुका है। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना से फूलबतिया बाई बैगा का वर्षों पुराना सपना आखिरकार अब साकार हो ही गया क्योंकि उनके परिवार को अपना सुरक्षित पक्का आवास मिल गया है।

श्रीमती फूलबतिया बाई बैगा बताती है कि सीमित आय और संसाधनो की कमी के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए असंभव था। सभी मौसमों में परेशानियां तो बनी रहती थी लेकिन बरसात ज्यादा कष्टकारी होता था। इतने दूर दराज जगह में रहने के कारण लगता था कि सरकारी मदद हम तक कभी नहीं पहुंचेगी। लेकिन प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के सर्वे में जब नाम आया तो पहली बार महसूस हुआ कि सरकार हम तक पहुँच रही है।आज फूलबतिया बाई बैगा एक मजबूत छत के नीचे सुकून से रहे रहीं है। वे भावुक होकर आगे कहती है कि अब न धूप का डर है और न बारिश का। यह घर सिर्फ रहने की जगह नहीं है बल्कि समाज में सुरक्षित और सम्मानजनक भविष्य की नींव है।

आवास के साथ रोजगार गारंटी में जॉब कार्ड पंजीबद्ध होने के कारण स्वंय के आवास निर्माण में 95 दिवस का काम और उसका मजदूरी भुगतान के साथ भूमि सुधार कार्य, स्वच्छ भारत मिशन से शौचालय, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड तथा अन्य सरकारी योजना का लाभ पाकर सुविधाओं का विस्तार हुआ है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

## खास खबर

### बोलेरो ने बाइक को मारी ठोकर, बाइक सवार घायल

**कोरबा।** बाँकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बाँकी-ढेलवाडीह मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को एक गंभीर सड़क हादसा हो गया। मोंगरा चौक से महज 100 मीटर की दूरी पर विपरीत दिशा से आ रही बोलेरो वाहन ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी-12 बीसी 7697 को चालक एवं मालिक गणेश राम पटेल पिता बालक राम पटेल, उम्र 55 वर्ष, निवासी ढेलवाडीह चला रहा था। तेज रफ्तार और लापरवाही के चलते बोलेरो ने सामने से आ रही स्प्लेंडर बाइक क्रमांक सीजी13एक्स1289 को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पर पुलिस विभाग एवं 112 की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुँची। थाना क्षेत्र से मात्र 500 मीटर के दायरे में हुए। घायल बाइक सवार की पहचान जयपाल दास झाबु, निवासी नवागांव दर्री के रूप में हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए 112 वाहन से तत्काल कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहाँ उसका इलाज जारी है।

### जिला शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

**मनेंद्रगढ़/एमसीबी।** जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एमसीबी के शिक्षा विभाग ने अनुशासनहीनता के मामले में कड़ा कदम उठाते हुए सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी है। संबंधित कर्मचारी जिला एमसीबी के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की स्थापना शाखा में संलग्न था तथा मनेंद्रगढ़ ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विभाग को कर्मचारी के विरुद्ध लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर विभागीय जांच कराई गई। जांच के दौरान कर्मचारी को दोषी पाया गया, जिसके बाद विभाग ने सेवा समाप्ति की कार्रवाई की। इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा हुआ है, वहीं कर्मचारियों के बीच यह संदेश गया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ विभाग सख्त रुख अपनाएगा।

### परिवहन विभाग द्वारा स्कूल वाहनों का निरीक्षण

**धमतरी।** सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार एवं छत्तीसगढ़ मोटरयान नियम के तहत स्कूल बसों का सघन निरीक्षण किया गया। जिला परिवहन अधिकारी, धमतरी द्वारा परिवहन, यातायात एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम के साथ यह निरीक्षण नगरी रोड स्थित परिवहन कार्यालय परिसर में किया गया। जांच के दौरान कुल 77 स्कूल वाहनों की जांच की गई, जिसमें 12 स्कूल बसों में विभिन्न खामियां पाई गईं। इनमें बिना परमिट संचालन, बिना वर्दी चालक, लाइट एवं हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की कमी तथा अन्य सुरक्षा मानकों का पालन न होना शामिल है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 11,000 का जुर्माना वसूल किया गया।

# तीन हजार नशीली गोलियों के साथ आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन निश्चय अभियान के तहत पुलिस को नशीली दवाओं का विक्रय करने वाले एक गिरोह को पकड़ने में सफलता मिली है। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन हजार नीशीली गोलियां तथा एक कार जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार आईजी के निर्देशन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन निश्चय के अंतर्गत नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए थाना गंज पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। थाना गंज पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि तीन व्यक्ति ओडिशा से भारी मात्रा में नशीली गोलियां लाकर रायपुर शहर में बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश में एक्सप्रेस-वे रोड, मैन सराय भवन जाने वाले रास्ते के पास पंप हाउस के सामने बैठे हुए हैं।

सूचना के तस्दीक उपरांत पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर तीनों संदिग्धों को मौके पर पकड़ा गया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से नाईट्रोजेपम टेबलेट (नाइट्रोसन-10) की स्ट्रिप्स गोलियां, एक रेनॉल्ट क्विड कार तथा मोबाइल फोन बरामद किए गए। जब्त मादक पदार्थों, वाहन एवं अन्य सामग्री की कुल जुमला कीमत लगभग 4,00,000 आंकी गई है। पूछताछ में आरोपियों द्वारा ओडिशा से नशीली गोलियां लाकर रायपुर शहर में सप्लाई करना स्वीकार किया गया है।

इस संबंध में थाना गंज में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही है। फिलहाल पुलिस द्वारा आरोपियों के नेटवर्क, सप्लाई चैन एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है तथा आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारियां संभावित हैं। उक्त कार्यवाही से यह स्पष्ट है कि रायपुर पुलिस द्वारा ऑपरेशन निश्चय के अंतर्गत नशे के नेटवर्क को जड़ से समाप्त करने हेतु लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। आम नागरिकों से अपील है कि नशीले पदार्थों से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल पुलिस को दें, सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। रायपुर पुलिस द्वारा नशे के सौदागरों के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

मामले में पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी प्रवीण बघेल पिता प्रफुल्ल कुमार बघेल उम्र निवासी न्यू शांति नगर टंडन डेरी रोड अनुरथ रेजिडेंसी रायपुर, भावेश खटवानी, पिता जू खटवानी, निवासी क्रिस्टल आर्केड के पीछे लोधी पारा रायपुर तथा राज दास पिता स्वर्गीय वीरेंद्र दास उम्र 24 वर्ष निवासी न्यू शांति नगर चांदनी चौक रायपुर को गिरफ्तार किया है।

# दुर्ग पुलिस की सख्त कार्यवाही

## फर्जी पहचान पर जीरो टॉलरेंस

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** शहर में होटल-लॉज में ठहरे संदिग्धों की सघन जाँच में फर्जी आधार कार्ड धारक गिरफ्तार किया है। आरोपी पहचान छुपाकर अन्य व्यक्ति के नाम से निवास करना गंभीर अपराध किया है। आरोपी के कब्जे से फर्जी आधार कार्ड एवं मोबाइल फोन जप्त की गई है। बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध, आरोपी गिरफ्तार कर भेजा गया न्यायिक प्रक्रिया में लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के स्पष्ट निर्देशों के पालन में जिले में होटल, लॉज एवं सार्वजनिक ठहराव स्थलों पर संदिग्ध व्यक्तियों की सघन एवं नियमित जाँच की जा रही है। इसी क्रम में 17जनवरी.2026 को थाना सिटी कोतवाली, दुर्ग पुलिस द्वारा होटल न्यू इंडिया के कमरा नंबर 786 में ठहरे व्यक्तियों की पहचान जाँच की गई।

जाँच के दौरान एक व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपनी वास्तविक पहचान छुपाकर किसी अन्य व्यक्ति के नाम से जारी आधार कार्ड का उपयोग कर होटल में ठहरना पाया गया, जो कि कानूनन गंभीर अपराध है। पूछताछ में आरोपी द्वारा स्वीकार किया गया कि उसका स्वयं का आधार कार्ड नहीं बना है तथा वह अपने पड़ोसी के आधार कार्ड का दुरुपयोग कर रहा था। उक्त कृत्य से आरोपी द्वारा धोखाधड़ी, छलपूर्वक पहचान परिवर्तन एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास किया गया, जिसे दुर्ग पुलिस ने तत्परता से विफल किया। मामले में थाना सिटी कोतवाली, दुर्ग में अपराध क्रमांक 22/2026, धारा 319(2) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार किया गया है। आरोपि का नाम - सुहेल चौधरी, पिता - समसू चौधरी, उम्र - 20 वर्ष,निवासी - चौकी गंदा नाला, उपरकोट, थाना कोतवाली नगर, जिला बुलंदशहर (उ.प्र.)।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग पुलिस का स्पष्ट संदेश दिए हैं। होटल, लॉज, धर्मशाला एवं अन्य ठहराव स्थलों में फर्जी पहचान पत्र का उपयोग करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

किसी भी व्यक्ति द्वारा दूसरे के पहचान पत्र का उपयोग करना या अपनी पहचान छुपाना गंभीर अपराध है, जिस पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी। होटल एवं लॉज संचालकों को निर्देशित किया जाता है कि वे अतिथि पंजीकरण एवं पहचान दस्तावेजों की पूरी सतर्कता से जाँच करें, अन्यथा वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। दुर्ग पुलिस कानून व्यवस्था एवं जनसुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा ऐसे तत्वों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्यवाही जारी रहेगी।

### उड़िसा के गांजा तस्कर गिरफ्तार

**दुर्ग।** दुर्ग शहर के मोहन नगर पुलिस थाना की टीम ने उड़ीसा निवासी 01 आरोपी के कब्जे से 3.160 किलोग्राम गांजा जप्त किया है। जप्त मशरूका की कीमत लगभग 1.58 लाख हैं। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया हैं। विजय अग्रवाल, भा.पु.से., वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देशन में, मणिशंकर चन्द्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं हर्षित मेहर, भा.पु.से., नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग के नेतृत्व में दुर्ग पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक केशवराम कोसले एवं थाना मोहन नगर पुलिस स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही है। दुर्ग पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी। आरोपी का नाम - चैतन्य सबर, पिता - नरेन्द्र सबर, उम्र - 28 वर्ष ।

# तालाब में गिरी स्कॉर्पियो, तीन युवकों की मौत और चार घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जगदलपुर।** बस्तर जिले के जगदलपुर शहर में शनिवार की देर रात दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह हादसा शहर के कालीपुर क्षेत्र में हुआ। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन अनियंत्रित होकर पास के एक तालाब में जा गिरी।

मृतकों की पहचान भावेश नागे, शेखर नागे और मनीष नेवर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया, सभी का रो रोकर बुरा हाल है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कालीपुर निवासी सात युवक, जो क्रिकेट खिलाड़ी बताए जा रहे हैं, स्कॉर्पियो में सवार होकर घूमने निकले थे। देर रात जब वे वापस घर लौट रहे थे, तभी कालीपुर के पास वाहन चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और गाड़ी सीधे तालाब में समा गई।

इस हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

# कांकेर में अवैध रूप से महुआ शराब बेचने वाले पर की गई आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कांकेर।** शहर के थाना सिटी कोतवाली कांकेर पुलिस की कार्यवाही कि गई है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि पुलिस अधीक्षक उ.ब.कांकेर निखिल कुमार राखेचा(भा.पु.से.) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश कांकेर श्रीमाल (भापुसे) भानुप्रतापपुर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में एवं अनु.अधिकारी पुलिस मोहम्मद मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में शहर में शराबियों, नशेड़ी, गजेड़ियो, अवैध शराब, नशीली पदार्थ का सेवन कर उत्पात करने वाले असामाजिक तत्वो पर सतत् निगरानी रखने आवश्यक कार्यवाही कर शहर में निरन्तर पुलिसिंग गस्त कार्यवाही कर असामाजिक तत्वों एवं अपराध पर अंकुश लगाने पुलिस थाना कांकेर द्वारा लगातार शहर मे पेट्रोलिग के दौरान वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

इसी तारतम्य में 17.जनवरी 2026 को ग्राम अर्जुनी बड़ेपारा अटल चैक के पास में आरोपी दुलार जैन पिता बरतु राम उम्र 59 वर्ष निवासी ग्राम अर्जुनी बड़ेपारा थाना कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर के कब्जे से 7 लीटर देशी महुआ शराब कीमती 700रूपये जप्त कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कांकेर निरीक्षक जितेन्द्र कुमार साहू के नेतृत्व में उनि. सुरेन्द्र मानिकपुरी, मनोरथ जोशी प्रआर कौशल साहू आर.शैलेन्द्र चतुर्वेदी, मआर.सुभिया गोटा एवं थाना पेट्रोलिंग पार्टी का अहम भूमिका रहा है।

गिरफ्तार आरोपी में 1. दुलार जैन पिता बरतु राम उम्र 59 वर्ष निवासी ग्राम अर्जुनी बड़ेपारा थाना कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर हैं।

### घर में काम करने वाली नौकरानी व सोनार चोरी के मामले में गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** जिले के बाँकी मोंगरा थाना अंतर्गत बाँकी मुख्य मार्ग निवासी प्रार्थी निवासी कमल किशोर पिता राम कुमार दुबे ने थाना में सूचना दी की उनके घर पर काम करने वाली महिला माना बाई द्वारा चोरी को अंजाम दिया गया है ।

लगातार घर में गायब हो रहा था समान एवं नगद गायब होने के कारण प्रार्थी ने घर के अंदर सीसीटीवी कैमरा गुप्त रूप से लगाया तब जाकर पता चला की घर में काम करने वाली महिला नौकरानी माना बाई ही चोरी को अंजाम दे रही है तब जाकर प्रार्थी ने थाना में जाकर जानकारी दी की घर पर हुई घटना की नगद 72500/- एवं जेवर - के रूप 1 अंगूठी, कान का 1 जोड़ी झूमका (टाप), 1 जोड़ी पायल, बाजू बंद गायब है। इस पर विभाग द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी महिला से पूछताछ चालू की गई तब महिला ने आरोप स्वीकार कर समान को आरोपी खरीदार पुरुषोत्तम सोनी जो सोनार दुकान का संचालन का कार्य करते है उनको बेचा है। इस पर दोनों को गिरफ्तार कर विवेचना की गई और समान की बरामदगी की गई जिसमें नगद 3600/-, 1 जोड़ी झूमका (टाप), 1 जोड़ी पायल जप्त किया गया है।

### शराब कोचिये कों रतनपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

**बिलासपुर।** बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना पुलिस ने शराब कोचियों से 20 पाव देशी प्लेन शराब व 10 पाव अंग्रेजी शराब के कुल 5.400 लीटर कीमती 2800 रूपये व परिवहन में प्रयुक्त हीरो प्लेजर स्कूटी को किया जप्त किया है। रतनपुर पुलिस के द्वारा शराब कोचियों पर लगातार की जा रही कार्यवाही। गिरफ्तार आरोपी - 1. मनोज कुमार कश्यप पिता कृष्ण कुमार उम्र 39 वर्ष निवासी करैहापारा रतनपुर थाना रतनपुर जिला बिलासपुर छ.ग.। पुलिस अधीक्षक महोदय जिला बिलासपुर रजनेश सिंह (भा.पु.से.) के द्वारा जिले में नशे के कारोबारियों पर लगातार कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है।

# खाई में गिरी स्कूल बस : छत्तीसगढ़-झारखंड बार्डर पर में ब्रेक फेल होने से हादसा, पांच की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बलरामपुर।** छत्तीसगढ़ के बजलरामपुर जले के समीप छत्तीसगढ़-झारखंड बॉर्डर पर रविवार को स्कूल बस बेकाबू होकर 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। बताया जा रहा है कि बस का ब्रेक फेल हो गया और वह ड्राइवर के नियंत्रण से बाहर हो गया। इंजन बंद करने के बाद भी बस नहीं रूकी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और कई घायल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला महुआडांड थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार बलरामपुर के पिपरसोत के कुछ ग्रामीण झारखंड के लोध फाल घूमने के लिए ज्ञान गंगा स्कूल की बस में सवार होकर महुआडांड जा रहे थे। रास्ते में सामरी के ओरसा घाट के पास बस का ब्रेक फेल हो गया। तेज रफ्तार बस पीडब्ल्यूडी के रोड सेफ्टी गार्ड को तोड़ते हुए पलटकर पेड़ से टकरा गई। हादसा छत्तीसगढ़-झारखंड बार्डर पर लातेहर जिले में हुआ। हादसे में 4 पुरुष और एक महिला की जान गई है।

मृतकों की की पहचान नहीं हो पाई है। मरने वाले सभी छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रहने वाले थे। स्थानीय और राहगीरों की मदद से घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही महुआडांड थाना प्रभारी मनोज कुमार और सामरी के थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। घायलों को महुआडांड स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

# कटघोरा में रेत के अवैध उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई अन्य के खिलाफ होगी सख्त कानूनी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

**कोरबा।** एसडीएम कटघोरा तन्मय खन्ना (आईएएस) द्वारा जुराली घाट क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन की कार्रवाई के दौरान 6-7 ट्रैक्टरों को मौके पर रेत उत्खनन करते देखा गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम द्वारा तत्काल राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर पहुंचकर जप्ती की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

संयुक्त टीम के पहुंचते ही अधिकांश ट्रैक्टर चालक मौके से भागने का प्रयास करने लगे। इसके बावजूद एसडीएम खन्ना स्वयं नदी पार कर दूसरे छोर में उत्खनन कर रहे ट्रैक्टर तक पहुंचे और उसे पकड़ने में सफलता हासिल की। उक्त वाहन ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 12 बी यू 6784 मौके पर 1 ट्रिप रेत छोड़कर भाग गया, जिसे जप्त कर थाना कटघोरा में सुपुर्द किया गया। वाहन पर अंकित ' कृष्णा ट्रैक्टर' से जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ कि ट्रैक्टर भरत प्रजापति के स्वामित्व का है।

इसके अतिरिक्त, अन्य ट्रैक्टर चालक भी भागने की कोशिश में अपने मोबाइल फोन मौके पर छोड़कर फरार हो गए। इन मोबाइल फोन के आधार पर उनकी पहचान की जा रही है। एसडीएम ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया है कि संबंधित सभी व्यक्तियों के विरुद्ध नियमों के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अवैध रेत उत्खनन पर प्रभावी रोक लग सके।

### धान के अवैध भंडारण पर प्रशासन की कार्रवाई

**धमतरी।** जिले में मंडी अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं धान के अवैध भंडारण पर रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा लगातार सघन निरीक्षण एवं कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में धमतरी विकासखंड अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में धान भंडारण एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम कोलियारी स्थित सुयश ट्रेडर्स में स्टॉक रजिस्टर के मिलान पर 29 क्विंटल धान अतिरिक्त पाया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त ट्रेडर्स के विरुद्ध पूर्व में भी दिनांक 06 दिसंबर 2025 को 67 कट्टा धान अधिक पाए जाने पर मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा चुकी है।

## प्रमुख खबरें

### नांदगांव में 26 को होगा पत्रकार कालोनी का उद्घाटन

**राजनांदगांव।** डोंगरगांव मार्ग पर पत्रकारों की बहुप्रतीक्षित आवासीय कालोनी तैयार हो गई है। गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति गीतों की गूंज के बीच विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडेय और महापौर मधुसूदन यादव आदि के हाथों इसका लोकार्पण होने जा रहा है। पूरा परिसर तिरंगा से सराबोर रहेगा। कालोनी में पेयजल व्यवस्था के लिए संपवेल और ओवरहेड टंकी के लिए भी उसी दिन भूमिपूजन किया जाएगा। 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैली इस कालोनी में सीमेंट की सड़क, कांक्रीट की नाली, बिजली, क्रीडा स्थल, बाउंड्रीवाल व उद्यान समेत सभी आवश्यक सुविधाएं है।

### आपदा के दो प्रकरणों में 4 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

**गरियाबंद।** कलेक्टर बीएस उइके ने प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के दो प्रकरण में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजिम तहसील के ग्राम कुम्ही निवासी 74 वर्षीय परस राम साहू का 16 नवम्बर 2024 को सर्पदंश से मृत्यु हो जाने के कारण मृतक के निकटतम परिजन कुमारी बाई साहू को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

### अयोध्या धाम की निःशुल्क यात्रा बन गई यादगार

**राजनांदगांव।** श्रीरामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना के तहत अयोध्या धाम की निःशुल्क यात्रा राजनांदगांव शहर के ममता नगर निवासी श्रीमती सुशीला चंदेल के लिए यादगार रही। उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम पहुंचने पर बहुत खुशी एवं उल्लास की अनुभूति हुई। वहां पहुंचने पर रामलला मंदिर एवं काशी विश्वनाथ मंदिर को देखकर और इन तीर्थ स्थलों पर पहुंचकर मन में शांति एवं आनंद महसूस हुआ। उन्होंने बताया कि सरयू गंगा आरती में शामिल होने पर बहुत अच्छा लगा। श्रीमती सुशीला ने कहा कि रामलला के दर्शन की वर्षों पुरानी इच्छा पूरी हुई। उन्होंने अपनी यात्रा के रोचक अनुभव साझा करते हुए बताया कि रामलला दर्शन आयोध्या धाम योजना के तहत 850 यात्री लाभान्वित हुए।

# जादू कोई तंत्र-मंत्र नहीं बल्कि कला, विज्ञान और तकनीकी के संगम का कमाल -ओपी शर्मा जूनियर

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में इन दिनों 11 जनवरी से रंग मंदिर में जादूगर जूनियर ओपी शर्मा का प्रतिदिन दो बजे एवं सात बजे जादू का शो चल रहा है। शनिवार एवं रविवार को तीन शो एक बजे चारबजे एवं सात बजे किया जा रहा है। सुबह दस बजे स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए शो किया जा रहा है। जादू कला विज्ञान एवं तकनीकी पर आधारित है। यह मनोरंजन का स्वस्थ साधन है। अंध विश्वास एवं कुरीतियों को दूर करने में जादू कला का विशेष योगदान है। उक्त बातें प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित रूबरू कार्यक्रम में जादूगर ओपी शर्मा जूनियर ने कही।

उन्होंने कहा कि स्कूलों एवं महाविद्यालयों में जादू कला को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। जादू कला के माध्यम से गत तीस वर्षों में उन्होंने 42 हजार 200 शो किये हैं। रायपुर में उनका पांचवीं बार जादू कला का प्रदर्शन हो रहा है। प्रेस क्लब रायपुर के लिए भी पत्रकारों एवं उनके परिजनों के लिए विशेष आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जादू के माध्यम से न केवल बच्चे अपितु बड़ों का भी मनोरंजन होता है। अपने पूज्य पिताजी से उन्होंने जादू कला सीखी इसके साथ ही वे मैकेनिकल इंजीनियर भी है। रूबरू कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी महासचिव गौरव शर्मा, संयुक्त सचिव भूपेश जांगड़े, निवेदिता साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष बृजेश चौबे वरिष्ठ पत्रकार संदीप पौराणिक फोटोग्राफर पंकज चौहान सहित अन्य साथियों जादूगर ओपी शर्मा का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर परंपरानुसार प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने शर्मा को प्रतीक चिन्ह देकर उनके यशस्वी जीवन की कामना की।

## अरुणोदय कोचिंग के विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री साय ने की चर्चा

# डीएमएफ फंड से मिल रही प्रतियोगिता परीक्षा की मुफ्त कोचिंग, युवाओं के सपनों को मिल रहे पंख

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सूरजपुर प्रवास के दौरान डीएमएफ फंड से स्थापित अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट में अध्ययनरत विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी तैयारी, अनुभव और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली तथा संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों को नजदीक से देखा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री को बताया गया कि अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट एक पूर्णत: शासकीय एवं निःशुल्क कोचिंग व्यवस्था है, जहां विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेषज्ञ मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और शैक्षणिक सहयोग बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराया जाता है। यह पहल विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आशा का केंद्र बनकर उभरी है।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस कोचिंग संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थियों ने पीएससी, व्यापम, एसएससी, रेलवे, शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। इन सफलताओं ने न केवल विद्यार्थियों के जीवन की दिशा बदली है, बल्कि जिले की शैक्षणिक पहचान को भी सशक्त किया है।

विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परिणाम अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट की सुदृढ़ शैक्षणिक योजना, समर्पित शिक्षकों और प्रशासनिक सहयोग का प्रतिफल है। उन्होंने संस्थान को जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए इसकी सराहना की। मुख्यमंत्री ने अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना, संचालन और प्रभावी प्रबंधन के लिए जिला प्रशासन को विशेष रूप से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जब प्रशासनिक संकल्प और सामाजिक दायित्व एक साथ जुड़ते हैं, तो ऐसे सकारात्मक और दूरगामी परिणाम सामने आते हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने डीएमएफ फंड की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि यह फंड खनन से प्रभावित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास और वहां निवासरत लोगों के कल्याण के लिए प्रारंभ किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खनिज क्षेत्रों के युवाओं को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डीएमएफ फंड के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों से दूरस्थ और पिछड़े अंचलों में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। अरुणोदय कोचिंग इंस्टीट्यूट इसका सशक्त उदाहरण है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को ट्राइबल यूथ हॉस्टल, दिल्ली के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक विद्यार्थी वहां निःशुल्क रहकर उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं, जिससे उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री ने रायपुर स्थित नालंदा परिसर की सुविधाओं के बारे में बताया कि वहां विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से अध्ययन की समृद्ध व्यवस्था उपलब्ध है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक सभी संसाधन एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए गए हैं।

### नालंदा की तर्ज पर 34 स्थानों पर खुल रही हाइटेक लाइब्रेरी

नालंदा परिसर की सफलता को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 34 स्थानों पर हाईटेक लाइब्रेरी के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरजपुर में भी विद्यार्थियों के लिए आधुनिक लाइब्रेरी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे स्थानीय युवाओं को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य शासन पीएससी परीक्षा को यूपीएससी की तर्ज पर पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाने के लिए सतत कार्य कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भ्रष्टाचार में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं शासन की योजनाओं का लाभ : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन अधिकारी-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसके लिए अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और सेवाभाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि जिला अधिकारी मैदानी स्तर पर भ्रमण करें और योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों का निराकरण करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें सभी फील्ड स्तर के अधिकारी अपने मुख्यालय में रहें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कल सूरजपुर जिले में विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों की क्रियान्वयन की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उ

उन्होंने कलेक्टर को चाँदनी बिहारपुर जैसे दूरस्थ अंचलों में बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव बना कर भेजने के निर्देश दिए ताकि उन स्थानो पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को सभी सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाए ताकि वे भी अपना पूरा ध्यान अपनी उत्पादकता को बढ़ान में लगा सकें।

उन्होंने बैठक में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की समीक्षा में कहा कि किसानों को धान खरीदी केन्द्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को धान बेचने किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली बिल योजना के बेहतर क्रियान्वयन, सड़कों का गुणवत्तायुक्त तथा समय-सीमा में पूर्ण करने और स्वास्थ्य अमले को अस्पतालों में सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस मौके पर कलेक्टर एस जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र पाटले सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

# गोंदा फूल की खेती ने बदली देवानंद की जिन्दगी, नियमित आय से बना हौसला

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन की किसान हितैषी योजनाएं और उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से अब किसान परंपरागत खेती से आगे बढ़कर अधिक लाभकारी फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। इसका उदाहरण सारंगढ़ जिले के ग्राम बरगांव के कृषक देवानंद निषाद हैं, जिन्होंने रबी मौसम में धान के स्थान पर गेंदा (गोंदाफूल) की खेती अपनाकर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

कृषक देवानंद निषाद ने वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनांतर्गत पुष्प क्षेत्र विस्तार के अंतर्गत गेंदा की खेती की। वे विगत दो वर्षों से उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में रबी मौसम में गेंदा की फसल ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले वे रबी फसल में धान की खेती करते थे, जिससे प्रति एकड़ लगभग 20 क्विंटल उत्पादन होता था। लाभ नाम मात्र था।

गेंदा की खेती से उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्तमान में वे एक एकड़ क्षेत्र में गेंदा की खेती कर रहे हैं। इस पर लगभग 50 हजार रुपये प्रति एकड़ लागत आई, जबकि 3750 किलोग्राम गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ। औसतन 80 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से बिक्री कर उन्होंने लगभग 3 लाख रुपये की कुल आमदनी अर्जित की, जिससे उन्हें लगभग 2.5 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ।

देवानंद प्रतिदिन 60 से 70 किलोग्राम गेंदा फूल रायगढ़ फूल बाजार में विक्रय के लिए ले जाते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत उन्हें गेंदा के पौधे उपलब्ध कराए गए तथा उद्यानिकी विभाग द्वारा समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में वृद्धि हुई।

### नवागांव-कंडेल में अंतिम संस्कार को लेकर तनाव

**धमतरी।** जिले के नवागांव-कंडेल गांव में एक बुजुर्ग महिला के अंतिम संस्कार को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। धर्मांतरण से जुड़े मामले में ग्रामीणों और कुछ संगठनों के विरोध के चलते गांव में तनाव फैल गया, जिसे संभालने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, नवागांव-कंडेल निवासी बुधाबाई साहू (85) का शनिवार को निधन हो गया। परिजन महिला के शव का अंतिम संस्कार गांव में ही करना चाहते थे, लेकिन धर्म परिवर्तन को लेकर ग्रामीणों के बीच असहमति सामने आ गई। ग्रामीणों का कहना था कि मृतिका का बेटा पिछले कुछ वर्षों से दूसरे धर्म से जुड़ा हुआ है, जिसके चलते गांव में अंतिम संस्कार पर आपत्ति जताई गई। सूचना मिलने पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और विरोध किया जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। हालात बिगड़ते देख अर्जुनी थाना प्रभारी राजेश जगत बल के साथ गांव पहुंचे।

## अनछुआ छत्तीसगढ़ (पर्यटन-3)

# पक्षियों का स्वर्ग बारनवापारा अभयारण्य

**बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में 16 जनवरी से 18 जनवरी 2026 तक 'बर्ड सर्वे' 2026 का आयोजन किया गया। सर्वे के दौरान पक्षियों की अच्छी विविधता देखने को मिली। अब तक प्राप्त डेटा के अनुसार इस सर्वे में लगभग 202 पक्षी प्रजातियों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है।**

इस सर्वे में विशेष रूप से कुछ प्रजातियाँ प्रतिभागियों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनमें बार-हेडेड गूज उल्लेखनीय रही, जो प्राय: मध्य एशिया के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में प्रजनन करती है तथा सर्दियों में भारत सहित दक्षिण एशिया के जलाशयों और खेतों में देखी जाती है। इसी प्रकार आर्द्र घासभूमि, धान के खेतों, दलदली क्षेत्रों एवं नदी किनारे पाए जाने वाले ग्रे-हेडेड लैपविंग, शिकारी पक्षी प्रजाति पेरेग्रिन फाल्कन, ब्लू-कैप्ड रॉक थ्रश, यूरेशियन स्पैरोहॉक,वन पारिस्थितिकी में बीज प्रसार के लिए महत्वपूर्ण माना जाने वाला ऑरेंज-ब्रेस्टेड ग्रीन पिजन भी आकर्षण का केंद्र बना।

बारनवापारा सेंट्रल छत्तीसगढ़ की जैव विविधता का प्रतिनिधित्व करता है, जहाँ मिश्रित एवं साल वनों के साथ विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक परिदृश्य मौजूद हैं। इस सर्वे से प्राप्त डेटा आगे चलकर अभयारण्य में आवश्यक प्रबंधन कार्ययोजनाओं की पहचान में सहायक होगा, खासतौर पर उन पक्षी प्रजातियों के संरक्षण कार्य में जिनकी संख्या में गिरावट देखी जा रही है।

– गणवीर धम्मशील
वनमण्डलाधिकारी

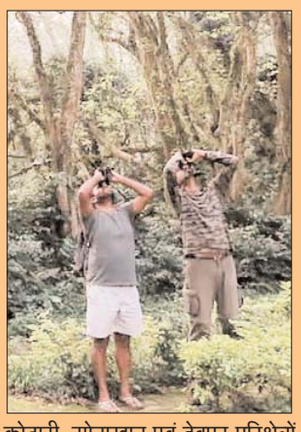

### पहुंचे 11 राज्यों के एक्सपर्ट, वालंटियर और फोटोग्राफर

सर्वे में महाराष्ट्र, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, केरल एवं कर्नाटक से आए 70 प्रतिभागियों, 12 वॉलंटियर्स, विशेषज्ञों एवं फोटोग्राफर्स सहित लगभग 100 लोगों की सहभागिता रही। सर्वे केवल बारनवापारा अभ्यारण्य तक सीमित न होकर आसपास के कोठारी, सोनाखान एवं देवपुर परिक्षेत्रों में भी किया जा रहा है। सर्वे के दौरान प्रतिभागियों द्वारा संग्रहित पक्षी आंकड़े वैश्विक डाटाबेस का हिस्सा बनेंगे। अभयारण्य क्षेत्र में जैव विविधता का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, बर्डिंग कल्चर एवं इको पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होगा। सर्वे में डॉ हकीमुद्दीन एफ सैफी, डॉ जागेश्वर वर्मा, मोहित साहू एवं सोनू अरोरा की सहभागिता रही।

## पुणे ट्रेवल ट्रेड जर्नल-2026

# छत्तीसगढ़ की प्रस्तुति ने खींचा ट्रैवल एजेंट्स का ध्यान कनेक्टिविटी, स्टे और फूड को मिलेगा अच्छा प्रतिसाद

श्रीकंचनपथ समाचार

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड ने टीटीजे पुणे 2026 के दो दिवसीय आयोजन में मुख्य सहभागिता निभाते हुए राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया। देश भर से आए ट्रैवल एजेंट्स और पर्यटन हितधारकों की भारी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड की उपमहाप्रबंधक श्रीमती पूनम शर्मा ने एक आकर्षक पीपीटी प्रस्तुतीकरण के जरिए राज्य के प्रमुख और उभरते पर्यटन स्थलों, उपलब्ध सुविधाओं तथा अपार पर्यटन संभावनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

उनके प्रस्तुतीकरण में छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर, वन्यजीव अभयारण्यों और एडवेंचर टूरिज्म के अवसरों को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। उपस्थित ट्रैवल एजेंट्स और प्रतिनिधियों ने इसे अत्यंत सराहनीय बताते हुए खुलकर तारीफ की, जिससे राज्य पर्यटन की ब्रांडिंग को मजबूती मिली।

छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड के साथ पंजीकृत ट्रैवल एजेंट्स ने भी पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। उन्होंने ब्रॉशर, फोल्डर और अन्य प्रचार सामग्री के माध्यम से राज्य के चित्रकूट जलप्रपात, बस्तर के आदिवासी संस्कृति, पर्यटन स्थलों और अन्य आकर्षणों की जानकारी साझा की।

इस सक्रिय भागीदारी ने पर्यटन स्थलों को देशव्यापी स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में स्टॉल पर लगातार भीड़ जुटी रही, जहां पर्यटकों के लिए विशेष पैकेज और ऑफर भी उपलब्ध कराए गए।

प्रस्तुतीकरण के बाद विभिन्न राज्यों से आए स्टेकहोल्डर्स और ट्रैवल इंडस्ट्री प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ पर्यटन में गहरी रुचि व्यक्त की।

दर्जनों एजेंट्स ने मौके पर ही छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड के साथ पंजीकरण कराया तथा भविष्य में राज्य को प्रमुख टूर पैकेज में शामिल करने का आश्वासन दिया।

यह आयोजन छत्तीसगढ़ को भारत का उभरता पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। बोर्ड के अधिकारियों ने इसे राज्य पर्यटन विकास की नई ऊंचाइयों की शुरुआत बताया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950